बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

गाजियाबाद में मात्र रू0 6.5 लाख (छः लाख पचास हजार) में मकान खरीदने हेतु सम्पर्क करें

मो0 9868944025

लोन सुविधा उपलब्ध है

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 168 | शनिवार 7 अक्टूबर 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

संजय सिंह का अब सवालों से सामना, ईडी ने सांसद के 3 करीबियों को भी कर लिया तलब

आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद अब ईडी ने उनके तीन करीबियों को तलब किया है।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके तीन करीबियों को तलब किया है। संजय सिंह के करीबी सर्वेश मिश्रा, विवेक त्यागी और कंवरबीर सिंह को ईडी ने पेश होने को कहा है। सर्वेश मिश्रा आज ही जांच एजेंसी के सामने हाजिर हो सकते हैं। संजय सिंह को दिल्ली के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया गया है। इस साल मई में ईडी ने संजय सिंह के करीबी सर्वेश मिश्रा और विवेक त्यागी के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान कुछ दस्तावेज और मोबाइल फोन मिले थे, जिससे इनका लिंक शराब घोटाले से जुड़ता दिखा था। गुरुवार को संजय सिंह की रिमांड मांगते हुए ईडी ने कोर्ट को बताया था कि संजय सिंह को दिनेश अरोड़ा ने उनके घर पर दो किश्तों में 2 करोड़ रुपए दिए थे। ईडी ने इस दौरान सर्वेश का नाम लिया। ईडी के वकील ने कहा था कि रिश्वत की रकम संजय सिंह के घर पर उनकी तरफ से सर्वेश मिश्रा ने ही ली थी। जांच एजेंसी का दावा है कि संजय सिंह के पीए रहे विवेक त्यागी को आरोपी अमित अरोड़ा की कंपनी में हिस्सेदारी दिलाई गई थी। दिनेश अरोड़ा के दावों की जांच के लिए ईडी अब संजय सिंह को सर्वेश मिश्रा और विवेक त्यागी के सामने बिठाकर तीनों से पूछताछ कर सकती है। ईडी सूत्रों के मुताबिक सर्वेश मिश्रा और विवेक त्यागी के अलावा कुछ और लोगों को अगले 2-3 दिनों में बुलाया जा सकता है।

ओबीसी राजनीति में बैकवर्ड नहीं रहेगी कांग्रेस, अब कर्नाटक में बड़ा फैसला; निकायों में 33 फीसदी आरक्षण मंजूर

कांग्रेस ने अगले सप्ताह कार्यसमिति की बैठक भी बुलाई है। इसमें ओबीसी आरक्षण पर विचार हो सकता है। इसके अलावा कर्नाटक में हुए जातीय सर्वे की रिपोर्ट को जारी करने का भी फैसला हो सकता है

नई दिल्ली। बिहार में हुए जातीय सर्वे का असर अब देश भर की राजनीति पर दिखने लगा है। कांग्रेस ने भी इस मामले में कदम आगे बढ़ाते हुए पूरे देश में जातीय जनगणना कराने की मांग की है। यही नहीं खुद भी इस दिशा में पहल करते हुए कर्नाटक के स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी के लिए 33 फीसदी आरक्षण का ऐलान किया है। उसने जस्टिस के. भक्तवत्सल कमिशन की सिफारिशों को मंजूर करते हुए यह फैसला लिया। राज्य सरकार ने आयोग की 5 में से तीन सिफारिशों को मान लिया है। कर्नाटक हाई कोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में इस कमिशन का गठन पिछड़ों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर विचार करने के लिए किया गया था।

आयोग ने बसवराज बोम्मई सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। कर्नाटक के कानून मंत्री एचके पाटिल ने कहा, भक्तवत्सल कमिशन ने 5 सिफारिशें दी थीं। कैबिनेट ने इनमें से तीन को मंजूर कर लिया है। इनमें से एक यह भी है कि स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए 33 फीसदी आरक्षण को बनाए रखा जाएगा। फिलहाल बैकवर्ड क्लास में भी ए और बी कैटिगरी है। दोनों को मिलाकर ही 33 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी सीटों का आरक्षण 50 फीसदी की सीमा को पार नहीं कर पाएगा।

यही नहीं खुद भी इस दिशा में पहल करते हुए कर्नाटक के स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी के लिए 33 फीसदी आरक्षण का ऐलान किया है। उसने जस्टिस के. भक्तवत्सल कमिशन की सिफारिशों को मंजूर करते हुए यह फैसला लिया। राज्य सरकार ने आयोग की 5 में से तीन सिफारिशों को मान लिया है। कर्नाटक हाई कोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में इस कमिशन का गठन पिछड़ों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर विचार करने के लिए किया गया था।

बता दें कि कांग्रेस पार्टी ने अगले सप्ताह कार्यसमिति की बैठक भी बुलाई है। इसमें ओबीसी आरक्षण पर विचार हो सकता है। इसके अलावा कर्नाटक में हुए जातीय सर्वे की रिपोर्ट को जारी करने का भी फैसला हो सकता है। इस मामले में कांग्रेस काफी आक्रामक है और वह मानकर चल रही है कि ओबीसी आरक्षण को बढ़ाने की मांग से फायदा मिल सकता है। भले ही बिहार और यूपी में वह सहयोगी दलों की पिछलग्गू है, लेकिन कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में उसे फायदे की उम्मीद है। यही वजह है कि वह इस मामले में आक्रामक है। कार्यसमिति की बैठक में भी इसे लेकर अहम फैसला हो सकता है।

ट्यूशन जा रही हिंदू छात्रा पर मुस्लिम 'अंकल' ने किए तलवार से 9 वार

लड़की के पिता का दोस्त है हमलावर

मोदीनगर (गाजियाबाद)। गाजियाबाद के मोदीनगर की जगतपुरी कॉलोनी में गुरुवार शाम ट्यूशन जा रही नौवीं क्लास की एक 16 वर्षीय छात्रा पर एक मुस्लिम व्यक्ति ने जान से मारने की नीयत से बीच सड़क पर तलवार से ताबड़तोड़ नौ वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। छात्रा की चीखें सुनकर बचाने आए लोगों ने आरोपी को पकड़कर जमकर धुनाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। हमलावर छात्रा के पिता का दोस्त है। अभी घटना के कारण का पता नहीं चल सका है। घटना के बाद से इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। वहीं, गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस आरोपी को मेडिकल के लिए अस्पताल ले जा रही थी तो वह रास्ते में पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर भागने लगा। उसने पुलिस टीम पर फायरिंग भी की, जिसके बाद पुलिस की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मोदीनगर की जगतपुरी कॉलोनी निवासी संजय उपाध्याय अपनी पत्नी नीरू और तीन बेटियों के साथ रहते हैं। वह रंगाई-पुताई का काम करते हैं। संजय की 15 वर्षीय बेटी दिव्या कॉलोनी में ही एक टीचर के पास ट्यूशन पढ़ने के लिए जाती है। गुरुवार शाम वह ट्यूशन पढ़ने के लिए घर से निकली तो रास्ते में पीछे से एक व्यक्ति आया और उसने लड़की पर तलवार से ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। तलवार से सिर, हाथ, पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में ताबड़तोड़ वार से दिव्या बुरी तरह लहूलुहान हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक, दिव्या के शरीर पर हमले के नौ निशान हैं। सिर, गर्दन और हाथ में गंभीर घाव हैं। कोहनी की हड्डी में फ्रैक्चर भी है। बताया गया कि छात्रा पर हमला करने वाला आरोपी शौकीन, संजय उपाध्याय के मकान के सामने ही रहता है और संजय के साथ ही काम करता है। इस संबंध में डीसीपी ग्रामीण विवेक चंद्र यादव ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना की वजह जानने का प्रयास किया जा रहा है।

आरोपी को पकड़कर लोगों ने पीटा- तलवार से छात्रा पर हमला होने के बाद चीख-पुकार मच गई। लोगों ने आरोपी शौकीन को पकड़कर पहले उसकी जमकर धुनाई की और फिर पुलिस के हवाले कर दिया। शौकीन ने तलवार को पास के ही तालाब में फेंक दिया।

कांग्रेस के जाति कार्ड की काट बीजेपी ने की तैयार! 'मिशन 2024' के लिए बनाया ये प्लान

नई दिल्ली। नीतीश कुमार और लालू यादव की गठबंधन सरकार ने बिहार में जाति सर्वे के आंकड़ों को जारी कर एक बड़ा चुनावी दांव खेल दिया है. समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी उत्तर प्रदेश में यही मांग कर रहे हैं. कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने जातीय जनगणना की पुरजोर मांग करते हुए जितनी आबादी, उतना हक का नारा देकर यह साफ कर दिया कि विपक्षी गठबंधन इसे एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने जा रहा है. इसे देश में मंडल पार्ट-2 की राजनीति के नए दौर के रूप में भी देखा जा रहा है. 2024 में लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव जीतने की तैयारियों में जुटी बीजेपी विपक्षी गठबंधन के मंडल पार्ट-2 की राजनीति को मात देने के लिए नए सिरे से कमंडल पार्ट-2 की राजनीति को भी शुरू कर सकती है.

BJP विपक्षी दलों को हराने के लिए हिंदू वोटरों को एकजुट करने के मिशन में जुट गई है. बीजेपी के दो शीर्ष नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस रणनीति पर काम करना शुरू भी कर दिया है और आने वाले दिनों में इसे लेकर कई अहम कदम भी उठा सकती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर यह आरोप लगाया कि कांग्रेस हिंदुओं को बांटने का प्रयास कर रही है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने नया राग अलापना शुरू किया है- जितनी

आबादी, उतना हक. इससे साफ है कि वो देशवासियों में आपसी खाई और बैर-भाव बढ़ाना चाहती है. सच्चाई ये है कि अगर हक की बात करनी ही है, तो वे कहेंगे कि इस देश के संसाधनों पर पहला हक भारत के गरीबों का है. मोदी के लिए गरीब सबसे बड़ी आबादी है. दूसरी तरफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ बैठक कर राज्य में लागू किए जाने वाले यूसीसी (समान नागरिक संहिता) को लेकर चर्चा की.

धामी और शाह की बैठक में क्या हुआ?

बताया जा रहा है कि शाह और धामी की बैठक के दौरान उत्तराखंड सरकार की ओर से यूसीसी को लेकर गठित की गई विशेषज्ञों की समिति की अध्यक्ष रंजना देसाई और समिति के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे. सूत्रों की माने तो बैठक में इस साल के अंत तक राज्य में यूसीसी लागू करने और इससे जुड़े विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई. दरअसल, BJP यूसीसी को लेकर उत्तराखंड को एक उदाहरण के रूप से टेस्ट केस बनाना चाहती है और फिर इससे मिले अनुभवों के आधार पर बीजेपी शासित अन्य राज्य भी आगे बढ़ेंगे. BJP को यह लगता है कि विपक्षी दल अल्पसंख्यक समुदाय की बात कहते हुए यूसीसी का जितना विरोध करेंगे, देश भर में हिंदू वोटर उतने ही एकजुट होंगे. BJP के पास तीसरा सबसे बड़ा मुद्दा या यूं कहें कि उपलब्धि अयोध्या में बन रहा भगवान राम का भव्य मंदिर है. इस मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले वर्ष जनवरी 2024 में कर सकते हैं. लेकिन, BJP इस मंदिर को लेकर देशभर के कई शहरों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करने की भी योजना बना रही है.

मुंबई में 7 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, 7 की मौत; 45 घायल

मुंबई। गुरुवार की रात मुंबई के गोरेगांव में आजाद नगर की एक सात मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई। इस घटने में अब तक 7 लोगों की मौत की सूचना है। दिल दहला देने वाले हादसे में 45 लोग घायल हो गए हैं। उनमें से कुछ ही हालत गंभीर बताई जा रही है। आपको बता दें कि आग करीब रात के ढाई बजे लगी। घायलों का पास के अस्पताल में इलाज चल रहा है। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की 10 से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग पर काबू पा लिया गया है।

आग लगने के कारणों की अभी तक आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि पार्किंग इलाके में रखे पुराने कपड़ों में आग लगी। आग ने पहले पहली और फिर दूसरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया। बिल्डिंग की पार्किंग में रखे कार और मोटरसाइकिल को भी नुकसान पहुंचा है। मिल रही जानकारी के मुताबिक, आग गोरेगांव के एमजी रोड स्थित जय भवानी बिल्डिंग में लगी थी। पांच जंबो वॉटर टैंकर, एक टर्न टेबल सीढ़ी और एक एम्बुलेंस

4 कार और 30 से अधिक बाइक जलकर खाक हो गए हैं।

31 घायलों को एचबीटी ट्रॉमा अस्पताल और 15 को कूपर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फायर ब्रिगेड अधिकारियों के मुताबिक, आग गोरेगांव के एमजी रोड स्थित जय भवानी बिल्डिंग में लगी थी। पांच जंबो वॉटर टैंकर, एक टर्न टेबल सीढ़ी और एक एम्बुलेंस को घटनास्थल पर भेजा गया। आग ग्राउंड फ्लोर पर मौजूद दुकानों और ग्राउंड फ्लोर पर खड़े वाहनों में फैल गई। इमारत की मंजिलों और छत पर लोग फंसे हुए थे। सुबह करीब 6 बजे तक आग बुझ गई।

नोट के बदले वोट: उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रखा

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नोट के बदले वोट मामले में 1998 के फैसले पर पुनर्विचार पर अपना फैसला गुरुवार को सुरक्षित रख लिया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने झारखंड मुक्ति मोर्चा रिश्वत मामले के रूप में जाना जाने वाले इस मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत के 1998 के फैसले में कहा गया था कि सांसदों और विधायकों को सदन में मतदान या भाषण देने के लिए रिश्वत लेने के मामले में अभियोजन

से छूट प्राप्त है। शीर्ष अदालत की सात सदस्यीय पीठ ने इसी फैसले पर पुनर्विचार के लिए सुनवाई पूरी की। शीर्ष अदालत की सात सदस्यीय पीठ के समक्ष के सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि रिश्वतखोरी कभी भी छूट का विषय नहीं हो सकती है। श्री मेहता ने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों का उद्देश्य निडर होकर विधायी कर्तव्य का पालन करना है। उन्होंने कहा कि एकमात्र सवाल यह है कि क्या रिश्वतखोरी को इस विशेषाधिकार या छूट के तहत रखा जाना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि शायद एक और पहलू हो सकता है, जिससे यह न्यायालय विचार करे कि क्या रिश्वतखोरी को छूट या विशेषाधिकार द्वारा संरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 1998 के फैसले में किसी भी बहुमत या अल्पसंख्यक ने इस नजरिये से इस मुद्दे की जांच नहीं की।

पीठ ने कहा कि जिस स्थान पर अपराध हुआ है और चाहे वह भाषण/मतदान से पहले का हो या उसके बाद का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए। पीठ ने पूछा कि क्या होगा यदि मान लीजिए कि रिश्वत देने का समझौता सदन के भीतर ही हो जाता है।

इस पर केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि विधायिका के विभिन्न कार्यों के संबंध में भाषण या आचरण, जहां निर्वाचित प्रतिनिधि भाग लेते हैं, वह संरक्षित है।

श्री वेंकटरमणी ने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधि को बिना किसी बाधा या अनुचित परिश्रम और दबाव के विधायी कार्य करने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधि के कार्यालय का इतना उपयोग नहीं किया जाएगा कि विश्वास और इसके महत्व को कम किया जा सके।

सिक्किम की बाढ़ में बहे सेना के 6 जवानों के मिले शव, 16 अभी भी लापता; सर्च ऑपरेशन जारी

गंगटोक। सिक्किम के ल्होन्क झील के पास बादल फटने से मौतों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है, इनमें छह सैनिक भी शामिल हैं। इनके शव पश्चिम बंगाल में बरामद किए गए हैं। 16 सैनिक सहित 100 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। उन्हें ढूंढने के लिए तलाशी अभियान तेज हो गया है। अबतक 2500 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने गुरुवार को भी बुरी तरह प्रभावित सिंगतम इलाके का दौरा किया। राहत कार्य के बीच सेना ने सिंगतम इलाके के पास बुरदंग से मलबे में दबे सेना के कई वाहनों को निकाला गया। सेना ने बताया कि लापता जवानों के परिवारों को घटना की जानकारी दे दी गई है। सिक्किम और उत्तरी बंगाल में तैनात जवान पूरी तरह से सुरक्षित हैं। नेटवर्क की दिक्कत के कारण वे अपने परिवार से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और लापता लोगों की तलाश के लिए वायुसेना ने मोर्चा संभाल लिया है। वायुसेना ने बताया कि लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एमाई हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार तीस्ता नदी का जलस्तर लगातार बारिश के कारण बढ़ रहा है। ऐसे में खतरा बरकरार है।

निचले इलाकों में जवानों की तलाश

अधिकारियों ने जानकारी दी कि सेना के जवानों की तलाश जारी है। अनुमान लगाया जा रहा है कि बाढ़ के तेज बहाव में सेना के सभी जवान निचले इलाकों में बह गए हों। इसे ध्यान में रखकर निचले इलाकों में सेना, पुलिस और आपदा प्रबंधन विभाग की टीमें तलाशी अभियान में जुटी हैं। रक्षा प्रवक्ता ले. कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि बीआरओ की मदद से राहत और बचाव कार्य जारी है। पीड़ितों की मदद के लिए 18 राहत कैंप चलाए जा रहे हैं।

जल सैलाब से मची भारी तबाही-बाढ़ से मनगान जिले में 11 ब्रिज, नामची और गैंगटोक में एक-एक ब्रिज बह गया है। इसी तरह पानी की पाइपलाइन भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। प्रारंभिक जांच के अनुसार चार प्रभावित जिलों में 277 से अधिक घर पूरी तरह ताबह हो गए हैं। चुंगतांग गांव बाढ़ से 80 फीसदी तक प्रभावित हुआ है। यहां का लाइफलाइन कहा जाने वाला एनएच-10 भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। जिला अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को स्थिति पर नजर रखने को कहा है।

एनएचपीसी के दो पॉवर प्रोजेक्ट प्रभावित-बादल फटने की घटना के बाद तीस्ता बेसिन से संचालित होने वाले एनएचपीसी के दो पॉवर प्रोजेक्ट प्रभावित हुए हैं। जानकारी के अनुसार 510 और 500 मेगावाट के दो प्लांट को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। इसी तरह तीस्ता वी पॉवर स्टेशन को बंद कर दिया गया है। बाढ़ में ऊर्जा संयंत्रों को भारी नुकसान हुआ है। इस कारण कई इलाकों में विद्युत आपूर्ति भी बाधित है। संयंत्रों को कितना नुकसान हुआ है इसका आकलन किया जा रहा है।

स्थिति को लेकर हुई आपात बैठक

प्राकृतिक आपदा से तबाह हुए उत्तरी सिक्किम के हालात को लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ आपात बैठक की। इसमें पीड़ितों को हर संभव मदद दिलाने का निर्देश दिया गया। राहत और बचाव कार्य में जुटी टीमों को लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि हालात को लेकर वो लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में हैं। बुरी तरह से प्रभावित इलाकों में मदद के लिए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी पत्र लिखा है।

पर्यटकों की मदद में त्रिशक्ति कॉर्प्स

सेना के त्रिशक्ति कॉर्प्स के जवान प्रभावित इलाकों में मोबाइल सेवा को दोबारा शुरू कराने की कोशिश में जुटे हैं। रिपोर्ट के अनुसार चुंगथांग, लाचुंग, लाचेन में सबसे ज्यादा पर्यटक फंसे हैं। इनकी मदद के लिए विशेष टीमों को तैनात किया गया है। राज्य का पर्यटन विभाग भी पर्यटकों के साथ लगातार संपर्क में हैं। सेना कठिन और दुर्गन रास्तों से होकर पीड़ितों तक मदद पहुंचाने के अभियान में जुटी है।

कामयाबी नहीं मिली तो गले लगा ली मौत, जिम्मेदार कौन?

वीरेन्द्र विश्वकर्मा

अगर जानकारों की मानें तो हर एक छात्र की अपनी क्षमता होती है। कोई खेल में निपुण होता है तो काई संगीत में। किसी को इंजीनियरिंग में रूची होती है तो कोई डॉक्टर बनना चाहता है। ऐसे में यदि इंजीनियरिंग में रूची रखने वाले छात्र को खेल में उतार दिया जाए तो बेहतर परफॉरमेंस की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। वर्तमान में कॅरियर को लेकर कुछ इसी तरह चल रहा है। अधिकांश माता पिता अपना सपना बच्चों पर थोपते दिखाई दे रहे हैं,बच्चे की रूचि को जाने बिना जबरियां उन्हे खुद की पसंदीदा फील्ड में धकेलने की कोशिश करते हैं।

टॉप पर बनाने की चाह ने बचपन छीन लिया। बड़े हुए तो प्रतियोगी परीक्षा में जुट गए। घर और कोचिंग का दवाब पड़ा तो मौत को गले लगा लिया। क्या यही युवाओं का भविष्य है। आखिर ये सब क्यों हो रहा है। इस पर मंथन तो करना पड़ेगा। यदि नहीं किया तो आने वाले समय में न जाने कितनी माताओं की कोख सूनी हो जाएगी। वजह साफ है कि जिस तरह से गलाकाट प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है वो कभी कम नहीं होगी। कोचिंग के बड़े बड़े होर्डिंग्स युवाओं को आकर्षित करें न करें लेकिन पेरेंटस जरूर इनकी तरफ खिंचे चले आ रहे हैं। भारी भरकम फीस चुकाने के लिए कर्ज से भी परहेज नहीं है। यहां तक की मकान,दुकान और जमीन बेचकर भी पढ़ाई करानी पड़े तो भी कोई हर्ज नहीं है। बस, बच्चा मन माफिक प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो जाए। देश भर के लगभग 16 राज्यों के बच्चे इस समय कोटा के छोटे बड़े 100 से अधिक कोचिंग्स में पढ़ रहे हैं और इनका आंकड़ा करीब 02 लाख है। परिवार की परिवेश, बच्चों की जन्मजात अभिरुचि, भाषा, खानपान, स्थानीय वातावरण जैसे कारकों को दरकिनार कर कस्बाई और छोटे शहरों से कोचिंग्स में धकेल दिए गए बच्चे आखिर किस कीमत और किसके अरमानों को पंख देने आते हैं इसकी सच्चाई पिछले कई महीनों में छात्रों की आत्महत्या में खोजना बिल्कुल भी कठिन नही है। क्या जिन दो दर्जन से अधिक बच्चों ने पिछले 10 महीनों में अकेले कोटा में आत्महत्या की उनके अपने सपनों का कोई मोल नहीं था?

देशभर में करीब डेढ़ दर्जन राज्यों में लगभग 8 लाख पंजीकृत कोचिंग संस्थान चल रहे है। यहां पढ़ने वाले छात्रों का आंकड़ा भी 14 लाख से अधिक है। जबकि देश में आईआईटी की कुल सीट्स 10 हजार से कम है। इस गलाकाट प्रतिस्पर्धा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हर साल 15 लाख बच्चे इस परीक्षा में बैठते

हैं, यानी स्पर्धा इतनी तगड़ी है कि मात्र डेढ प्रतिशत छात्र ही सफल हो पाते हैं। वो तो भला हो केंद्र की मोदी सरकार का, जिसने नीट यानी एमबीबीएस की सीट्स 47 हजार से बढ़ाकर 91 हजार कर दीं हैं। ये आंकडे देखकर साफ कहा जा सकता है?कि सफलता का पोस्टर बॉय बनना कितना कठिन है। आल इंडिया रैंक के साथ मुस्कराते हुए विक्टरी साइन दिखाते फोटो आप हर साल होर्डिंग्स और अखबारों में देखकर यही अंदाज लगाते है कि कोटा के कोचिंग कमाल कर रहे हैं। लेकिन यह सत्यांश भर है इसके पीछे की इस इंडस्ट्री का एक अन्य चेहरा भी छिपा है। यह कोचिंग संस्थानों का शिक्षकीय कौशल या पराक्रम भर नही है बल्कि लगभग 95 लाख करोड़ की इंडस्ट्री के दाव इसके पीछे लगे है। हमारा उद्देश्य इन संस्थानों की काबिलियत या निष्ठा पर सवाल उठाना नही है बल्कि इस चमकदार प्रचार के बहाने देश के मध्यम और निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों की उस एकतरफा इच्छाओं या यूं कहें कुंठाओं से जुड़ी त्रासदी को अधोरेखित करना है जिसमें लाखों मासूम बच्चे पिस रहे हैं।

एसोचैम के अध्ययन के अनुसार बड़े शहरों में प्राइमरी के 87 प्रतिशत और हाईस्कूल के 95 फीसदी बच्चों को कोचिंग या सहायक कक्षाओं का सहारा लेना पड़ता है। जाहिर है हमारा स्कूली ढांचा बदलते वक्त के अनुरूप नहीं है कोरिया में स्टीम एजुकेशन सिस्टम है जहां साइंस, टेक्नोलॉजी, मैथ्स जैसे विषय पढ़ाये जाते हैं लेकिन नई शिक्षा नीति आने के बाद भी देश के अधिकतर पाठ्यक्रम पुराने और परम्परागत ढर्रे पर चल रहे है। नतीजतन प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए स्कूलों में कोई बुनियादी वातावरण ही नहीं है । यही कोचिंग्स इंडस्ट्री का आधार है। एसोचैम की रिपोर्ट बताती है कि 35 फीसदी की दर से भारत में कोचिंग इंडस्ट्री बढ़ रही है।

कैसे करें माता पिता का सपना पूरा

अगर जानकारों की मानें तो हर एक छात्र की अपनी क्षमता होती है। कोई खेल में निपुण होता है तो काई संगीत में। किसी को इंजीनियरिंग में रूची होती है तो कोई डॉक्टर बनना चाहता है। ऐसे में यदि इंजीनियरिंग में रूची रखने वाले छात्र को खेल में उतार दिया जाए तो बेहतर परफॉरमेंस की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। वर्तमान में कॅरियर को लेकर कुछ इसी तरह चल रहा है। अधिकांश माता पिता अपना सपना बच्चों पर थोपते दिखाई दे रहे हैं,बच्चे की रूचि को जाने बिना जबरियां उन्हे खुद की पसंदीदा फील्ड में धकेलने की कोशिश करते हैं। इसके लिए कर्ज भी लेते हैं और चल अचल संपत्ति भी बेच देते हैं। इससे बच्चे पर कर्जा?चुकाने और संपत्ति बिकने का मानसिक दबाव बनता है। मनोचिकत्सकों का मानना है कि इससे बच्चे के भीतर डिप्रेशन में जाने की चांस बढ़ जाते हैं। इस तरह की स्थिति उस वक्त ज्यादा बनती है जब बच्चा मनमाफिक परफॉर्म नहीं कर पाता है। उसके मन में निराशा का भाव बढ़ने लगता है। हालांकि इसके और भी कारण हो सकते हैं,लेकिन तमाम कारणों के साथ इस तरह के कारणों को नजर अंदाज नहीं कि जा सकता है।

संपादकीय

जान-बूझ कर आमंत्रण

सिक्किम में आई आपदा अचानक नहीं थी। वह प्रत्याशित थी। इसकी आशंका एक दशक पहले ही जताई गई थी। तबसे इसे लेकर चेतावनियां दी जा रही थीं। एक नहीं, कई संस्थानों-विभागों एवं वैज्ञानिकों के स्वतंत्र अध्ययनों में अचानक की प्रलयकारी बाढ़ों, धरती खिसकने, हिमस्खलन और भूकंप तक के पुष्ट अनुमान किए गए थे। दुर्भाग्यवश इसके मुताबिक ही बुधवार को सिक्किम के उन-उन इलाकों में तबाही का तांड़व मचा। उत्तराखंड़ और हिमाचल प्रदेश जैसी त्रासदी देश के सामने दोहराई गई। हालांकि राष्ट्रीय दूरसंवेदी केंद्र के वैज्ञानिकों ने सेटेलाइट से हासिल किएगए ड़ेटा के आधार पर 2013 में कह दिया था कि साउथ लोनक

हिमानी झील 1962 से 2008 के बीच 1.9 किलोमीटर पीछे खिसक गई है। ग्लोबल वामिफ़ा के चलते 2019 तक तो यह 400 मीटर और सिकुड़ गया है। इससे झील पर पानी के घनत्व को 42 फीसद तक बढ़ा दिया है, जिससे इसके फटने की आशंका बढ़ गई है। इसके परिणामस्वरूप तीस्ता नदी घाटी में बहाव बढ़ कर आसपास की आबादी वाले क्षेत्रों में भयंकर तबाही मचा सकता है। यह भी कहा था कि सिक्किम में साउथ लोनक झील के क्षेत्र की 21 में से 14 ऐसी हैंग जिनके अचानक फटने, हिमस्खलन और उनमें भूकंप से भारी नुकसान की आशंका है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भी 2020 में चेताया, आईआईएससी-आईआईटी रुड़की और ज्यूरिख यूनिवर्सिटी के अध्ययन में भी यही दोहराया गया। इनमें हिमालयन क्षेत्र की नाजुकता के मद्देनजर इलाकों में आबादी की बसावट, आधारभूत संरचनाओं के निर्माण और जलविद्युत संयंत्रों के परिचालन को इन आपदाओं का उत्प्रेरक बताया गया था। खतरे के जम्मू-कश्मीर तक फैलने की आशंका जताई गई थी। पर देखिए कि इन प्राकृतिक आपदाओं के शमन के लिए किए गए सरकारी उपाय अप्रभावकारी साबित हुए। देश के हिमालयन राज्य अपनी संरक्षा और मानवहित में विकास के नए मॉड़ल की मांग करते हैं, लेकिन साल दर साल हम अध्ययन कर उनकी रिपोर्टस तैयार कर अपने कर्त्तव्य को पूरा हुआ मान लेते हैं। लगता है, जैसे इस पर अबोली सहमति है कि विकास जरूरी है और उसके लिए जानमाल की कितनी भी हानि सहन की जा सकती है पर विकास और पारिस्थितिकी के निर्वहन में एक संतुलन होना चाहिए।

चिंतन-मनन

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति?

सदाचार एक व्यापक और सार्वभौम तत्व है। देशकाल की सीमाएं इसे न तो विभक्त कर सकती हैं और न इसकी मौलिकता को नकार सकती हैं। जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सबके लिए होता है, उसी प्रकार सदाचार के मूलभूत तत्व मानव मात्र के लिए उपयोगी होते हैं। कुछ व्यक्ति अपने राष्ट्र, कुल या परंपरागत आचार को विशेष महत्व देते हैं, किंतु यह अपनेपन का व्यामोह है। जो कुछ मैं कर रहा हूं, वह सदाचार है, इस धारणा की अपेक्षा व्यक्ति को ऐसी धारणा सुदृढ़ करनी चाहिए कि जो सत् आचरण है, वह मेरे लिए करणीय है।

सदाचारी व्यक्ति नीतिनिष्ठ होता है। वह किसी भी स्थिति में नीति के अतिप्रमण को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकता। नीतिनिष्ठ व्यक्ति को परिभाषित करते हुए कहा गया है- जिस व्यक्ति में अभय, मृदुता, सत्य, सरलता, करुणा, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ और व्यक्तिगत संग्रह का संयम और प्रामाणिकता होती है, वह नीतिमान कहलाता है। जो व्यक्ति सत्य के प्रति समर्पित होता है, अन्याय का प्रतिकार करते समय भयभीत नहीं होता, अपनी भूल ज्ञात होने पर उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करता और कठिनतम परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है, वह अभय का साधक होता है।

कोमलता का नाम मृदुता है। यह सामूहिक जीवन की सफलता का सूत्र है। इसके द्वारा व्यक्ति के जीवन में सरसता आती है। मृदु स्वभाव में लोच होती है, इस स्वभाव वाला व्यक्ति किसी भी वातावरण को अपने अनुकूल बना लेता है। सत्य का अर्थ है यथार्थता। जो तथ्य जैसा है उसे वैसा ही जानना, मानना, स्वीकार करना और निभाना सत्य है। सत्य की साधना कठिन अवश्य है, पर है आत्मतोष देने वाली। आर्जव सरलता का पर्यायवाची शब्द है। सरलता सदाचार की आधारभूमि है। इसी उर्वरा में सदाचार की पौध फलती-फूलती है। मायावी व्यक्ति कभी सदाचारी नहीं हो सकता। करुणा सदाचार का मूल है। जिस व्यक्ति के अंतःकरण में करुणा नहीं होती, वह अहिंसा के सिद्धांत को समझ नहीं सकता। अहिंसा के बिना समता का विकास नहीं होता।

2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का सपना?

सनत जैन

कल क्या होगा, यह कोई नहीं जानता है. देश और दुनिया में 5 साल के बाद क्या होगा, कोई नहीं जानता है। पहले महामारी फैलती थी, 2020 में भी कोविड की महामारी फैली। जिसने सारी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया। 2022 से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है। अफगानिस्तान, तालिबानियों को सौंपकर अमेरिका वापस लौट गया। हम वर्तमान में ना जीकर 2024 के भविष्य में जीने का सपना देख रहे हैं। सपने हमेशा सुखद स्थितियों को लाकर सामने खड़ा कर देते हैं। वर्तमान की चुनौतियों का मुकाबला करने की स्थान पर हम भविष्य का सोचने लगते हैं। और वर्तमान से धीरे-धीरे दूर होते चले जाते हैं। यही जीवन का सत्य है। इसके बाद भी भारत सरकार 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में बड़े-बड़े दावे कर सपने दिखा रही है। 2047 तक भारत की आबादी बढ़कर 165 करोड़ हो जाएगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व बैंक के पैमाने के अनुसार प्रति व्यक्ति आय 14000 डॉलर की होने पर ही हम विकसित राष्ट्र के दर्जे पर ला पाएंगे। विश्व बैंक द्वारा पैमाने के अनुसार 9000 डॉलर की प्रति व्यक्ति आय होने पर उच्च मध्यम आय वर्ग वाले देशों की सूची में शामिल होंगे। इस लिहाज से समझे तो, भारत, वर्तमान स्थिति में उच्च मध्य आय वर्ग वाले देशों की सूची में ही आ सकता है। वह भी तब, जब वर्तमान आर्थिक स्थिति इसी तरह से चलती रहे। इसमें कोई भी प्राकृतिक बाधा उत्पन्न ना हो। कोविड महामारी के बाद भारत की वृद्धि दर 8 फीसदी से घटकर 3.9 फीसदी पर आ गई थी। अभी भी यह छह फीसदी से ज्यादा नहीं है। 2047 तक औसतन 6 फीसदी की दर ही रहेगी। तब हम यह सोच सकते हैं, कि निम्न मध्य आय वर्ग से उठकर हम उच्च मध्य आय वर्ग की सूची में शामिल हो सकते हैं। यह वृद्धि दर लगातार बनाए रखना, वह भी 24 सालों तक वृद्धि बनी रहे, यह असंभव है। कुवैत और ब्रुनेई जैसे तेल उत्पादक देश की प्रति व्यक्ति आय 14000 डॉलर से अधिक है। इसके बाद भी वह धनी देश माने जाते हैं। अधिक आय के कारण, उन्हें विकसित देशों की सूची में शामिल नहीं किया गया है। विकसित देश की सूची में शामिल होने के लिए तकनीकी प्रतिस्पर्धा में विश्व पटल पर लगातार बने रहना होता है। भारत इस कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। भारत अभी भी सारी दुनिया में कम कीमत वाली चीजों को निर्यात करता है। निर्यात में तकनीकी का स्थान ना के बराबर है। भारत का आयात - निर्यात व्यापार घाटा भी बहुत ज्यादा है। जिन देशों के पास उत्कृष्ट तकनीकी है, वह उसे साझा नहीं करते हैं। भारत को इस दिशा में अभी बहुत नीतियॉ बनाने की जरूरत है। भारत में स्कूली शिक्षा और रिसर्च के मामले में हम पहले की तुलना में लगातार पिछड़ते जा रहे हैं। जी 20 के देशों में भारत अभी भी गरीब राष्ट्र की सूची में शामिल है। शिक्षा, उच्च शिक्षा और रिसर्च के क्षेत्र में अभी बहुत काम करने की जरूरत है। इसके लिए सरकार को खर्च भी बहुत करना होगा। अभी हमारे बजट का बहुत छोटा हिस्सा ही हम शिक्षा और रिसर्च पर खर्च कर पा रहे हैं। शिक्षा के लिए भारत से बड़ी संख्या में छात्र विदेशों में जा रहे हैं। जिस तरह से दुनिया में तकनीकी के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर परिवर्तन हो रहे हैं। जो देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। वह मानवता के अस्तित्व पर एक खतरा ही पैदा कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में बहुत सारे परिवर्तन आने वाले समय में देखने को मिलेंगे। भारत विकासशील देशों की सूची में शामिल है। अनुसंधान और विकास में निवेश काफी जोखिम भरा होता है। हम प्रयास शुरू करते हैं, उसके पहले ही निराशा देखने को मिलने लगती है। जब तक हम अपनी रिसर्च को नहीं बढ़ाएंगे, हमारे पास रिसर्च के लिए अच्छे रिसर्चर नहीं होंगे। रिसर्च के लिए हमें जोखिम भी उठाने पड़ेंगे। इसमें बहुत बड़ी धनराशि भी खर्च करनी पड़ेगी। राजनीतिक दृष्टि से भी सर्वसम्मति की जरूरत होती है। अभी भारत में जिस तरह से सरकारें बदलती हैं। सरकार बार-बार अपने नियम और कानून को बदलती है। भ्रष्टाचार और महंगाई की जो स्थिति अभी भारत में बनी हुई है। उसको देखते हुए 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बन जाएगा। यह सपना देखना ठीक उसी तरह है, जैसे बिना मरे स्वर्ग में जाने की कल्पना करते हैं। हम वर्तमान में जीते हुए आगे बढ़ने स्थायित्व के साथ, जिसमें शिक्षा, तकनीकी ज्ञान, आर्थिक आधार, शांतिपूर्ण समाज की जो उपयोगिता को सिद्ध करें। उसके बाद भी हम विकसित देश बनने की दौड़ में शामिल हो सकते हैं। वर्तमान स्थिति में तो हम उस दौड़ में शामिल होने की स्थिति में नहीं है। विकसित देश बनने की कल्पना मात्र से हम वर्तमान को उपेक्षित कर केवल आंख बंद करके दौड़गें तो हमें कुछ भी हासिल नहीं होगा। आंख बंद कर दौड़ने से दुर्घटना का बड़ा अंदेशा जरूर बना रहेगा।

हेल्थ फूड़ः स्वास्थ्य के नाम पर खिलवाड़

रजनीश कपूर

आधुनिक जीवन की भाग-दौड़ में हम अपने भोजन पर उतना ध्यान नहीं देते जितना हमें स्वस्थ रहने के लिए देना चाहिए। इसीलिए आए दिन हमारे शरीर में कोई-न-कोई दिक्कत उत्पन्न होती रहती है। रोजमर्रा के खाने में पौष्टिक तत्वों की कमी के कारण अक्सर बीमार पड़ने पर डॉक्टर भी हमें ताजी और शुद्ध चीजें खाने की ही सलाह देते हैं। इसके साथ हमारी डाइट को 'हेल्थ फूड' पर आधारित होने कि भी सलाह देते हैं। अपनी सेहत की चिंता करते हुए हम बाजार में 'हेल्थ फूड' के नाम पर मिलने वाली वस्तुएं खरीदने की होड़ में लग जाते हैंङ्क परंतु यहां सवाल उठता है कि क्या 'हेल्थ फूड' के नाम पर बिकने वाले डिब्बा बंद या सील बंद उत्पादन वास्तव में हमारे शरीर के लिए 'हेल्थी' हैं?

बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पादनों ने बाजार में एक ऐसा मायाजाल बिछाया है जिसके शिकंजे में हम बड़ी आसानी से फंस जाते हैं। यह कंपनियां अपने उत्पादनों को ह्यहेल्थ फूड' का जामा ओढ़ कर उपभोक्ताओं को इसकी लत लगाने में कामयाब हो जाते हैं। आम लोग भी इनके मार्केटिंग और आकर्षक विज्ञापन के झांसे में बहुत आसानी से आ जाते हैं। क्या हमें जिन तत्वों का परहेज करना चाहिए वो इन 'हेल्थ फूड्स' में हैं? क्या बाजार में अपने प्रतिद्वंदी से आगे निकलने की होड़ में ये कंपनियां जनता को ह्यजंक फूड' की आदत डाल रही हैं? ऐसे उत्पादनों का सेवन करने से हमारी सेहत बेहतर होने के बजाए और खराब हो जाती है। सबसे पहले बात करते हैं रोजमर्रा के खाने में इस्तेमाल होने वाली ऐसी वस्तु की जो आमतौर पर हर घर में पाई जाती है। आज हर घर में सुबह के नाश्ते में 'ब्राउन ब्रेड' का चलन बढ़ गया है। विज्ञापनों के कारण इसे 'व्हाइट ब्रेड' का एक विकल्प कहा जाने लगा है। जैसा कि इसके नाम से ही जाना जाता है, यह ह्यब्राउन' है यानी कि यह मैदे से नहीं बल्कि आटे से बनी है, परंतु असल में आप यदि इसका पैकेट देखें तो इसमें आपको कभी भी 100 प्रतिशत आटा नहीं मिलेगा। इसमें आपको आटे के साथ-साथ काफी मात्रा में मैदा, चीनी, नमक, वैजिटेबल आयल और प्रिजर्वेटिव भी मिलेंगे। यानी दावे से उलट यह आटा ब्रेड वास्तव में 100 प्रतिशत आटे से नहीं बनी। मैदे और चीनी के नुकसान तो सभी को पता हैं। यह आपके शरीर में वजन बढ़ाने का काम करते हैं। मैदा खाने से कब्ज की दिक्कत भी होती है। उसी तरह प्रिजर्वेटिव खाने से शरीर में कैंसर जैसे रोग होने का खतरा भी बढ़ जाता है। तो फिर यह हमारे शरीर के लिए हैल्थी कैसे हुई? आजकल आपने यह भी देखा होगा कि कई उत्पादों पर 'फैट फ्री या लो फैट' का ठप्पा लगा होता है। ऐसे कई बिस्किट, स्नैक्स और अन्य उत्पादन बाजार में हैं जो 'फैट खै या लो फैट' होने का दावा करते हैं। 'फैट फ्री या लो फैट' के लालच में हम इन उत्पादों के प्रति आकर्षित हो जाते हैं और इनके आदि हो जाते हैं, परंतु क्या आपको पता है कि ऐसे ज्यादातर उत्पादों में साधारण मात्रा से कहीं अधिक मात्रा में शुगर यानी चीनी का प्रयोग किया जाता है। इसके साथ ही इनमें 'फैट' का विकल्प देने के लिए केमिकल द्वारा प्रोसेस किए गए तत्व भी डाले जाते हैं। इन केमिकल तत्वों का हमारे शरीर पर बुरा असर पड़ता है। जहां तक हो सके हमें इन चीजों से बचना चाहिए। आजकल के युवा वर्ग में एक नए पेय की मांग बढ़ती जा रही है और वो है 'एनर्जी ड्रिंक'। आकर्षक विज्ञापन की आढ़ में युवाओं को ऐसे 'एनर्जी ड्रिंक' का आदि बनाया जा रहा है। कैफीन होने के कारण, इन्हें पीने से हमें कुछ क्षण के लिए ताजगी का एहसास होता है। इसमें अधिक मात्रा में चीनी के साथ-साथ अन्य केमिकल भी होते हैं जो हमारे शरीर के लिए नुकसानदेह होते हैं। साथ ही में इन 'एनर्जी ड्रिंक' में 'हाई फ्रक्टोज कॉर्न सिरप' का प्रयोग भी होता है जो हमारे शरीर में बहुत तेजी के साथ फैट या चर्बी को पैदा करता है। इसी तरह बाजार में आजकल 'प्रोटीन बार व प्रोटीन शेक' की मांग भी बढ़ने लग गई है। जैसा कि नाम से पता लग गया होगा ऐसे उत्पादन आपको प्रोटीन का विकल्प होने का दावा करते हैं, परंतु क्या आपको पता है कि यदि आप शुद्ध और पौष्टिक भोजन पाएं तो आपको अतिरिक्त प्रोटीन कि आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी।

अधिक मात्रा में प्रोटीन लेना भी हमारी सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। अधिक प्रोटीन केवल ज्यादा खेल-कूद करने वाले या वेट लिफ्टिंग करने वालों को किसी विशेषज्ञ की सलाह पर ही लेना चाहिए। आम इंसान को नहीं। आपको याद होगा कि कोरोना के कारण लगे लॉकडाउन में हम मजबूरन घर का रख्शाना खा रहे थे। काफी समय तक घर बना शुद्ध और सात्विक भोजन पाने से हमारा शरीर स्वस्थ रहने लग गया था। कोरोना के डर से हम किसी भी बाजारू वस्तु का सेवन नहीं कर रहे थे, केवल घर का बना भोजन ही खा रहे थे। यदि किसी को बाजार के बने भोजन या नाश्ते की तलब उठती थी तो वो भी घर पर ही बनाया जाता था। ईश्वर से प्रार्थना है कि ऐसी महामारी दोबारा न आए, परंतु जिस तरह कोरोना ने हमें घर पर बने खाना खाने को मजबूर किया, वो एक वरदान साबित हुआ। इसलिए हमें घर का बना पौष्टिक भोजन ही पाना चाहिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मायाजाल में नहीं फंसना चाहिए।

सीएम योगी ने दी 248 करोड़ की सौगात

26 परियोजनाओं का शिलान्यास लोकार्पण: तराई के क्षेत्र में ईको पर्यटन के विकास की अपार संभावनाएं

संस्कार उजाला, महेश शर्मा

पीलीभीत। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पीलीभीत के मुस्तफाबाद गेस्ट हाउस पहुंचकर वन्य जीव सप्ताह का समापन किया। उन्होंने पीलीभीत को 248 करोड़ की 26 परियोजनाओं की सौगात दी। उनका शिलान्यास और लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर वन विभाग के कई अधिकारियों को सम्मानित भी किया। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तराई के क्षेत्र में ईको टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। चूका से लेकर कर्तनिया घाट, दुधवा और अमानगढ़ तक ईको टूरिज्म तेजी से बढ़ रहा है। वन विभाग ने 10 वेटलैंड विकसित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मनुष्य का अस्तित्व जीव जंतु और जल पारिस्थितिकी तंत्र पर टिका हुआ है। भारतीय मनीषा में ही धरती को माता कहा है और हम सब इसके पुत्र हैं। जीव होने के नाते हम सभी का सह अस्तित्व है। जीव पालतू हो या जंगली। सब सह अस्तित्व पर निर्भर करते हैं। जीव जंतुओं और पारिस्थितिकी तंत्र पर संकट होगा तो मनुष्य के अस्तित्व पर भी संकट आ जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार लगातार विकास के लिए प्रयासरत है। हम सभी का विकास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने संयुक्त सर्वे किया है। सर्वे में पीलीभीत टाइगर रिजर्व को प्रथम ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि 2014 में पीलीभीत टाइगर रिजर्व में 25 बाघ थे। 2018 में बढ़कर इनकी संख्या 65 हुई है। राज्य में 173 बाघ थे। अब यूपी में 205 से अधिक बाघ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2018-19 में मुझे दुधवा जाना पड़ा था। प्रकृति में संतुलन होने पर मानव एवं वन्यजीवों में संघर्ष होता है। इस संघर्ष से होने वाली जनहानि को रोकने के लिए हमारी सरकार ने इसे आपदा घोषित किया। अब कोई जनहानि होने पर पांच लाख का मुआवजा दिया जाता है। छह वर्ष के अंदर जन सहभागिता के माध्यम से वन विभाग को मॉडल विभाग बना दिया है। वन्यजीवों के संरक्षण के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम यूएनडीपी में परिस्थिति तंत्र और जैव विविधता के प्रमुख मिंडोरी पैक्स्टन की ओर से पीलीभीत टाइगर रिजर्व को अंतरराष्ट्रीय स्तर का टाइगर एक्स टू अवार्ड दिया गया है।

आप सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में शिक्षक प्रकोष्ठ ने काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन

संस्कार उजाला

कसया, कुशीनगर। आम आदमी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ जनपद कुशीनगर द्वारा राज्य सभा सांसद संजय सिंह की ईडी द्वारा गिरफ्तारी के विरोध में संगठन से जुड़े शिक्षकों ने बांह में काली पट्टी बांधकर बुद्ध स्थली कुशीनगर में प्रदर्शन कर विरोध जताया। शुक्रवार को आप शिक्षक प्रकोष्ठ जनपद कुशीनगर के जिलाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी के नेतृत्व में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष श्री त्रिपाठी ने कहा कि यह गिरफ्तारी वैमनस्यपूर्ण है। सरकार जनविरोधी है और विपक्षी एकता से घबरायी हुई है एक एक करके विपक्षी नेताओं को निराधार आरोपों में जेल में डाल रही है आने वाले चुनाव में जनता केन्द्र की भाजपा सरकार को अपने वोटो के माध्यम से पदच्युत करेगी और विपक्ष का इंडिया गठबंधन जीतेगा। श्री त्रिपाठी ने आगे कहा कि यदि सरकार हमारे सांसद को जल्द रिहा नही करती है तो पार्टी द्वारा देश व्यापी आन्दोलन किया जायेगा। इस दौरान उपाध्यक्ष कृष्ण मोहन राव, सत्येन्द्र पाण्डेय, श्रीकांत सिंह कुशवाहा, अमरजीत मिश्र, विजय मणीन्द्र त्रिपाठी, रत्नेश श्रीवास्तव, शैलेन्द्र पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

सरकारी बस ड्राइवर ने शराब पीकर सवारियों से की बदतमीजी

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह

हापुड़ । सरकारी परिवहन का मामला सामने आया है।जहाँ हापुड़ डिपो से कोशाम्बी को जाने वाली बस नंबर यूपी 17ळ 6784 का ड्राइवर ने शुक्रवार करीब 12:30बजे शराब पीकर गाड़ी को कोशाम्बी के लिए लेकर जा रहा था।मिली जानकारी के अनुसार ड्राइवर ने कैई बार गाड़ी को रोड किनारे जंगल मैं रोका फिर छिजारसी टोल पर यात्रियों को बस से बाहर उतार कर उनसे बद तमीजी और गाली गलोंच करने लगा।वहीं ड्राइवर ने बस मैं बैठे यात्रियों से बस को पलटने की बात करता था बतादें टोल प्लाजा पर कुछ लोगों ने सवारियों और ड्राइवर को समझा बुझा का मामला शांत कराया।

पोर्टल पर साप्ताहिक स्टॉक की घोषणा करेंगे दाल कारोबारी

संस्कार उजाला

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में दालों की जमाखोरी को रोकने तथा मूल्य वृद्धि को लेकर योगी सरकार ने खाद्य एवं रसद विभाग के आला अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं। कहा गया है कि केंद्र सरकार की ओर से घोषित संशोधित स्टॉक लिमिट को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए दाल के कारोबारियों का निरीक्षण एवं सत्यापन कराया जाए। इसके अलावा जो व्यापारी अभी तक पोर्टल पर रजिस्टर्ड नहीं है, उनका तत्काल रजिस्ट्रेशन कराया जाये। वहीं शासन की ओर से निर्देश दिया गया है कि सभी दाल के कारोबारियों से निर्धारित पोर्टल पर साप्ताहिक स्टॉक की घोषणा करायी जाए। विभाग के अधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि सरकार से मिले निर्देश में प्रदेश में कार्यरत डीलर, इम्पोर्टर, मिलर, स्टॉकिस्ट व ट्रेडर से भारत सरकार के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराते हुये उनसे साप्ताहिक (प्रत्येक शुक्रवार) स्टॉक की घोषणा कराने हेतु समय-समय पर डीएम से अनुरोध किया गया है।अद्यतन स्थिति के अनुसार केंद्र सरकार के पोर्टल पर कुल 1,878 दाल के कारोबारी पंजीकृत हैं, जिनके द्वारा समस्त दालों को मिलाकर 138442 मी0टन स्टॉक की घोषणा की गयी है, जिसमें तूर दाल का स्टॉक 24686 मी0टन, उरद दाल का स्टॉक 16376 मी0टन एवं मसूर दाल का स्टॉक 39150 मी0टन घोषित किया गया है। दरअसल, उत्तर प्रदेश के अम्बेडकर नगर 04, अमरोहा 04, कन्नौज 05, कासगंज 06, श्रावस्ती 06, फरुर्खाबाद 07, इटावा 07, अमेठी 09, मैनपुरी 09 एवं सुल्तानपुर में 09 रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर हुए हैं। इन जनपदों में पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन जल्द कराने के निर्देश दिए हैं।

धूमधाम से मना गोंड वीरांगना महारानी दुर्गावती का जयंती

संस्कार उजाला, अजय कुमार

कसया, कुशीनगर। महारानी दुर्गावती सेवा संस्थान द्वारा आयोजित गोंड वीरांगना महारानी दुर्गावती जयंती पर चौपाल एवं सहभोज कार्यक्रम तहसील क्षेत्र के ग्राम सरैया महंत पट्टी में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम संयोजक के द्वारा सरेया महंथ पट्टी, जोकवा,धुनवलिया, सोहंग आदि गांव के 38 आदिवासी भाई बहनों को निःशुल्क जाति प्रमाण पत्र निर्गत करवाकर उन्हें सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक मा.सुरेंद्र सिंह कुशवाहा जी ने कहा कि महारानी दुर्गावती आदिवासी समाज की आन -बान- शान एवं महान योद्धा थी जिसने युद्ध में अकबर को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया हम वादा करते हैं कि आदिवासी समाज के उत्थान के लिए हर संभव कोशिश करते रहेंगे। कार्यक्रम संयोजक एवं गोंड संघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राधेश्याम गोंड ने कहा कि गोंड वीरांगना महारानी दुर्गावती जी का जन्म दुर्गाष्टमी के दिन 5 अक्टूबर 1524 ईस्वी में चंदेल वंश के कालिंजर के राजा कीरत राय के वहां हुई थी दुर्गा अष्टमी के दिन जन्म लेने के कारण इनका नाम दुर्गावती रखा गया। जिनका विवाह गढ़ मंडला के गोंड राजा दलपत शाह के साथ हुई विवाह के कुछ समय के उपरांत असमय उनके पति का देहांत हो गया। तदोपरान्त गढ़ मंडला की शासन व्यवस्था महारानी दुर्गावती के हाथों में आ गई, महिला राजा होने के कारण यह बात अकबर को बहुत नागवार लगी तथा उनके राज्य को कब्जा करने की नीयत से योजना बनाया युद्ध में अकबर के विशाल सेना को महारानी दुर्गावती ने कई बार धूल चटाया तथा अंत में अपने आन- बान की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। इसी क्रम में गिरजेश गोंड, सुचित कुमार गोंड, कपिल देव गोंड, भूमक डिग्री प्रसाद गोंड ने संबोधित किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम गोंडी संस्कृति के अनुसार विधिवत गो- गो पूजा कर महारानी दुर्गावती जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर आरंभ किया गया। अध्यक्षता जनपद देवरिया गोंड समाज के जिला अध्यक्ष मुंशी प्रसाद गोंड एवं संचालन हीरालाल गोंड ने किया। इस दौरान पंकज गोंड, रामधनी गोंड, आदया लाल गोंड, दयाशंकर गोंड, सहदेव गोंड, संजय गोंड, मनोनीत सभासद नपा कुशीनगर राधिका देवी, ग्राम प्रधान धुनवालिया, सुगंधी देवी आदि सैकड़ो आदिवासी समाज के व्यक्ति उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर याद किये गए स्व. केश्वर यादव

कुर्सी दौड़ में भाग लिए खिलाड़ियों को किया गया पुरस्कृत

संस्कार उजाला

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंतर्गत केश्वर इण्टरमीडिएट कालेज बनवारी टोला के प्रांगण में स्वड्ड केश्वर यादव जी के पाँचवी पुण्यतिथि मनाई गई। मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री बौध शोध संस्थान उप्र भन्ते महेन्द्र, भन्ते अशोक सहित अतिथियों ने स्व0 केश्वर यादव के चित्र पर माल्यार्पण किया तथा उनके समाधि स्थल पर फूल अर्पित कर श्रध्दांजलि दी।

अतिथियों ने पुण्यतिथि अवसर पर विद्यालय प्रांगण मे कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता छात्र/छात्राओं को पुरस्कार दिया। अतिथियों का स्वागत स्वड्डकेश्वर यादव के पुत्र पूर्व जिपंस मदन यादव तथा उनके पौत्र व प्रधानाचार्य पुरन्दर प्रताप यादव ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भोला यादव, ओमप्रकाश यादव, पारस यादव,प्रदीप यादव, मुन्ना यादव, देवेन्द्र प्रताप यादव, हरेन्द्र कुमार यादव, जगतराज कुमार चौहान, अमरजीत यादव, शेषनाथ यादव, गिरिधर गोपाल यादव, कमलेश भारती, जयसिह प्रसाद गोड, कन्हैया कुमार वर्मा, सतवीर कुशवाहा, अम्बालिका यादव, शशिमा पटेल, गुड्डी मध्देशिया, रूबी पटेल, मोनिका प्रसाद, मुन्नी देवी सहित शिक्षक व बच्चे उपस्थित रहे।

कानपुर: सेना-वर्दी के गोदाम में भीषण आग

कानपुर । गुरुवार रात दो बड़े अग्निकांड हो गए। पहला मामला, नौबस्ता (संजय नगर) में हुआ। यहां कपड़ा गोदाम में आग लग गई। यहां सेना की वर्दी बनाई जाती थी। आग के बीच गोदाम से लगातार धमाके हो रहे थे। जिसके कारण आस-पास के 50 घर खाली कराने पड़े। यहां करीब दमकल की 15 गाड़ियां 9 घंटे पर आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन अभी तक आग पर काबू नहीं पाया जा सकता है। दूसरा मामला, चकेरी के बस स्टेशन में हुआ। यहां ई-बसों को चार्ज किया जाता है। अचानक आग लगने के बाद यहां खड़ी 3 बसें धूं-धूं करके जलने लगीं। यहां कुछ घंटों में ही बसों का सिर्फ ढांचा बचा। इस वक्त भी अग्निशमन विभाग के अफसर मौके पर मौजूद हैं। ये दोनों अग्निकांड 1 घंटे के अंतराल पर हुए हैं। कानपुर के नौबस्ता संजय नगर में सुनील का गोदाम है। यहां वर्दी तैयार होती हैं। सुनील ने बताया कि देर रात करीब 3 बजे पड़ोसियों ने सूचना दी कि गोदाम से धुआं उठ रहा और आग की लपटें दिख रही हैं। जानकारी मिलते ही वह मौके पर पहुंचे। लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था। उन्होंने और मोहल्ले के लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। पूरा गोदाम चंद मिनट में ही धधकने लगा। सूचना पर उच्च दीपक शर्मा फायर ब्रिगेड की 5 पांच गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे हैं। आग को बढ़ता देख 5 और गाड़ियां बुलानी पड़ी। गोदाम के चारों तरफ से आग पर पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की गई। 9 घंटे बाद भी आग को पूरी तरह से काबू नहीं किया जा सका है। मौके पर डीसीपी रवींद्र कुमार, एडीसीपी अंकिता शर्मा और पुलिस कमिश्नर डॉ. आरके स्वर्णकार भी पहुंचे।

ब्लड डोनेशन के बारे में आम नागरिकों को जागरूक करें विशेषज्ञ: मुख्यमंत्री

संस्कार उजाला, सचिन शर्मा

लखनऊ। पूरे देश में रोजाना डेढ़ करोड़ यूनिट ब्लड की जरूरत पड़ती है। इसमें से 20 से 25 लाख यूनिट ब्लड कम पड़ जाता है। इसकी वजह लोगों में जागरुकता का अभाव है। अक्सर देखने में आता है कि परिवार के लोग ही मरीज को ब्लड देने के लिए तैयार नहीं होते हैं। ये उनमे ब्लड डोनेशन को लेकर जागरुकता का न होना दशार्ता है। इसमें सबसे बड़ी कमी हमारी है। इसका फायदा उठाकर रक्तदाता पैसों की डिमांड करता है और ब्लड के साथ कई बीमारियों को भी देने का काम करता है। वहीं आज एक यूनिट ब्लड से टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर कई लोगों की जान बचायी जा सकती है। ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी है कि लोगों को ब्लड डोनेशन के लिए जागरुक करें ताकि ब्लड की कमी को दूर किया जा सके। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को क्लार्क अवध होटल में आयोजित यूपी चैप्टर आईएसबीटीआई तथा ब्लड ट्रान्सफ्यूजन एण्ड इम्यूनोहिमाटोलॉजी विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कांफ्रेंस 'ट्रांसकॉन-2023' के 48वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में कही। इससे पहले सीएम ने ट्रांसकॉन-2023' की सॉवेनियर का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 15 वर्षों बाद प्रदेश में सम्मलेन होने जा रहा है। ऐसे में यह सम्मेलन ब्लड ट्रांसफ्यूजन के फील्ड में काम करने वाले सभी विशेषज्ञों और स्टेक होल्डर के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा, जो इस क्षेत्र में प्रदेश को आगे ले जाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा। सीएम ने कहा कि कोरोना कालखंड में एक-एक व्यक्ति की जान बचाना सरकार की प्राथमिकता थी। इस दौरान चिकित्सकों और हेल्थ वर्कर्स ने प्रतिबद्धता के साथ काम किया और हमने कोरोना को हराया। केंद्र और राज्य की सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्या नया हुआ है इसे देश में लाने का प्रयास कर रही है। ऐसे में इस तरह के राष्ट्रीय सम्मेलन हेल्थ के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी के आदान-प्रदान में बड़ी भूमिका निभाते हैं। सीएम ने कहा कि कोरोना काल में आधे प्रदेश में आईसीयू के एक भी बेड नहीं थे, लेकिन प्रयास से सभी जनपदों में कमी को पूरा किया गया। इसके बाद विशेषज्ञ, पैरामेडिकल, नर्सिंग स्टाफ और टेक्नीशियन की कमी सामने आने लगी। इस पर ट्रेनिंग शुरू की गयी और केजीएमयू, एसजीपीजीआई ने पूरे प्रदेश में वर्चुअल आईसीयू का संचालन किया। इससे करोनो को हराने में काफी मदद मिली। इस दौरान फ्रंटलाइन वर्कर भी मजबूती के साथ खड़े रहे। इससे प्रदेश में मृत्यु दर को न्यूनतम रखने के साथ संक्रमण के फैलाव को रोकने में काफी हद तक सफलता मिली थी। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पूरे देश ने टेक्नोलॉजी के प्रयोग से कोरोना को मात दी। उन्होंने कहा कि भारत की 140 करोड़ की आबादी की तुलना में यूएसए की आबादी एक चौथाई है, लेकिन कोविड प्रबंधन में वह पूरी तरह फेल रहा जबकि भारत में यूएसए के मुकाबले संक्रमण और मृत्यु की दर काफी कम थी। उन्होंने कहा कि इस तरह के सम्मेलन टेक्नोलॉजी के आदान-प्रदान से बहुत सशक्त माध्यम बनते हैं।

संक्षिप्त डायरी

ग्राम चौपाल: गांव की समस्या का गांव में ही होगा समाधान: रविरंजन

संस्कार उजाला

कुशीनगर। कसया तहसील क्षेत्र के गांव नदवाबिशुनपुर में शुक्रवार को गांव की समस्या, गांव में समाधान योजना के तहत पंचायत भवन परिसर में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। गांव के लोगों को दस बजे का समय दिया गया था गांव के लोग तो जुट गये लेकिन चौपाल से संबंधित अधिकारी दो घंटे की देरी से पहुचे जिसको लेकर लोगो में काफी नाराजगी दिखी। जबकि सचिव रेखा सिंह अनुपस्थित रही राजस्व एवं स्वास्थ्य विभाग से कोई कर्मचारी नहीं पहुंचा। लोगो ने चौपाल में आये अधिकारियो से अपनी समस्याये बताई। चौपाल को सम्बोधित करते हुये खंड विकास अधिकारी रविरंजन ने बताया की गांव के किसी भी व्यक्ति को अब दर दर भटकना नहीं पड़ेगा आपके समस्या का समाधान गांव में ही हों जायेगा, जन्म, मृत्यु, परिवार रजिस्टर की नकल पंचायत भवन पर ही उपलब्ध हों जायेगा। वृद्धा, विधवा विकलांग पेंशनधारियों का जो पेंशन नहीं आया है उसके लिये आधार सीडिंग खाते से करा ले और एकल खाता ही होना चाहिए। वृद्धा पेंशन का लाभ पति पत्नी दोनों लोग ले सकते है। इसके अलावा सुमंगला योजना, पुत्री विवाह योजना, पीएम किसान योजना, शौचालय बनवाने की जानकारी दी गई । इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी आर.के. राय, जेई संदीप मिश्रा, विजय कुमार सिंह ग्राम प्रधान प्रमिला देवी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विश्वविजय सिंह, लदन सिंह, सुभावती देवी, अनारी देवी, सुरसती देवी, सूरज सिंह, हरेराम सिंह,बादू शर्मा, संतोष सैनी, जवाहर प्रसाद, रमेश गोंड, रामा सिंह, राजन सिंह, नंदू शर्मा सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

रबी फसलों के लिए यूपी ने रखा 448 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य

संस्कार उजाला, दिनेश शर्मा

लखनऊ । खरीफ फसलों की खरीद के लिए जारी तैयारियों के बीच योगी सरकार ने आगामी रबी सीजन में खाद्यान्न तथा तिलहनी फसलों के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए रणनीति तैयार कर ली है। रबी सीजन 2022 में जहां 136.06 लाख हेक्टेयर भूमि आच्छादित थी और 427.83 लाख मीट्रिक टन का उत्पादन हुआ। वहीं, आगामी रबी 2023 में खाद्यान्न एवं तिलहनी फसलों के अन्तर्गत 134.85 लाख हेक्टेयर क्षेत्र पर बोआई और 448.66 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। सरकार द्वारा तैयार रबी उत्पादन 2023 फसल उत्पादन रणनीति में कुल खाद्यान्न उत्पादन के 428.77 लाख मीट्रिक टन एवं तिलहन उत्पादन के 19.90 लाख मीट्रिक टन (खाद्यान्न एवं तिलहन के कुल उत्पादन 448.66 लाख मीट्रिक टन) के लक्ष्य के सापेक्ष गेहूं, जौ, मक्का, चना, मटर, मसूर, राई सरसों, तोरिया, अलसी के लिए अलग-अलग लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। फसल सघनता में वृद्धिः कृषकों की आय बढ़ाने के साथ ही सरकार का फोकस उत्पादकता और उत्पादन को बढ़ाने तथा उत्पादन लागत को कम करने पर भी है। फसल सघनता में वृद्धि के लिए किसानों को साल में दो या तीन फसल लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है तो खरीफ में बुवाई से खाली खेतों में तोरिया अथवा लाही की बुवाई के लिए जागरूक किया जाएगा। वहीं, जिन क्षेत्रों में गन्ना की खेती हो रही है, वहां गन्ने से खाली होने वाले खेतों तथा शीघ्र पकने वाली अरहर से खाली खेतों में देरी की दशा में बोई जाने वाले गेहूं की प्रजातियों की बुवाई को भी सरकार प्रोत्साहित कर रही है। देवरिया, कुशीनगर, गोंडा, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, बलिया, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, आजमगढ़, बस्ती, बाराबंकी, अयोध्या, सीतापुर खीरी और जौनपुर, जहां मक्का की खेती होती है वहां संकर मक्का की खेती के लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसी तरह उत्पादकता में वृद्धि के लिए न्यूनतम उत्पादकता वाले ब्लॉक के संबंध में खास रणनीति भी तैयार की जाएगी। उत्पादकता में वृद्धिः क्षेत्रफल की दृष्टि से देश में सर्वाधिक क्षेत्र में गेहूँ की खेती उत्तर प्रदेश में की जाती है। जलवायुविक भिन्नताओं, संसाधनों की कमी, कृषि निवेशों के असंतुलित प्रयोग तथा उन्नत तकनीक का पूरा लाभ न लेने के कारण प्रदेश में गेहूँ की उत्पादकता पंजाब एवं हरियाणा की अपेक्षा कम है। प्रदेश के विभिन्न जनपदों की विभिन्न फसलों की उत्पादकता में भी भारी अन्तर है। उत्पादकता वृद्धि के लिए न्यूनतम उत्पादकता वाले ब्लाक/न्याय पंचायत के सम्बन्ध में भी समुचित रणनीति बनाकर त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने हेतु जनपद स्तर पर उत्पादकता बढ़ाने के लिए विभिन्न फसलों की ब्लाक/न्याय पंचायतवार उत्पादकता को आधार मानकर योजनायें बनाकर सघन पद्धतियों को लागू करने की योजना है।

केजरीवाल सरकार के खिलाफ भाजपा ने दिल्ली में शुरू किया जनजागरण अभियान

नई दिल्ली। शराब घोटाले के मामले में आम आदमी पार्टी राज्य सभा सांसद संजय सिंह को दिल्ली की एक अदालत द्वारा पांच दिन के लिए जांच एजेंसी ईडी की कस्टडी में भेजने के अगले दिन शुक्रवार को भाजपा ने केजरीवाल सरकार के खिलाफ दिल्ली में जनजागरण अभियान शुरू कर

दिया। भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को आईटीओ चौक, लोधी रोड, जनपथ, संसद भवन, अकबर रोड, मंडी हाउस, रेल भवन, राजघाट, 11 मूर्ति और तीन मूर्ति मार्ग सहित दिल्ली के विभिन्न इलाकों, सड़कों और गोल चक्करों पर केजरीवाल सरकार के खिलाफ नारे लिखे प्लेकार्ड को लहराते हुए केजरीवाल सरकार के खिलाफ चलाए जा रहे जनजागरण अभियान में दिल्लीवासियों का समर्थन मांगा। महिला कार्यकर्ताओं के हाथों में मौजूद प्लेकार्डस में 'आप ने दिल्ली को शराब में डुबाया,अब शराब आप को डुबायेगी' , 'माता बहनों की लग गई हाय, भ्रष्ट केजरीवाल बचने ना पाए' और 'केजरीवाल इस्तीफा दो' जैसे कई नारे लिखे थे। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा भी पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं द्वारा चलाए जा रहे अभियान में शामिल हुए।

धनखड़ का शनिवार को राजस्थान दौरा

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शनिवार को राजस्थान का दौरा करेंगे और गंगानगर, हनुमानगढ़ तथा जोधपुर जाएंगे।

उप राष्ट्रपति सचिवालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि एकदिवसीय दौरे में श्री धनखड़ के साथ उनकी पत्नी डॉक्टर सुदेश धनखड़ भी रहेंगी।

श्री धनखड़ सूरतगढ़ में सेंट्रल स्टेट फार्म और जोधपुर में केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान केंद्र का दौरा करेंगे। इस यात्रा में उपराष्ट्रपति हनुमानगढ़ में गोगामेड़ी मंदिर में भी दर्शन-वंदना करेंगे।

मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के तहत 79वीं ट्रेन रामेश्वरम् के लिए रवाना

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा के तहत दिल्ली के 780 बुजुर्गों को लेकर ट्रेन रामेश्वरम् के लिए रवाना हुई। पिछले कई हफ्ते से लगातार यात्रा ट्रेन बुजुर्गों को लेकर अलग-अलग तीर्थ स्थलों के लिए रवाना हो रही है। इसी कड़ी में रवाना हुई यह 79वीं ट्रेन रामेश्वरम् की यात्रा आठ दिन में पूरी करेगी। इससे पहले त्यागराज स्टेडियम में बुजुर्ग तीर्थ यात्रियों ने भजन संध्या का आनंद लिया। हर बार की तरह इस बार भी भजन संध्या में पहुंच कर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुजुर्ग तीर्थ यात्रियों के साथ खुशी को साझा किया और कहा कि अभी तक हमारी 78 ट्रेनें करीब 76 हजार तीर्थ यात्रियों को लेकर देश के अलग-अलग कोने में जा चुकी हैं। आजकल लगभग हर हफ्ते एक ट्रेन जाती है। शिरडी बाबा, हरिद्वार, त्रिषिकेष, मथुरा, वृंदावन, अयोध्या समेत देश के कई तीर्थ स्थलों पर जाते हैं। श्री केजरीवाल ने कहा कि आज रामेश्वरम् की यात्रा पर 780 लोग जा रहे हैं। रामेश्वर देश के बिल्कुल दक्षिणी छोर पर है। हम लोग उत्तरी छोर पर बैठे हैं और रामेश्वर बिल्कुल नीचे है। दिल्ली से रामेश्वर सबसे दूर है, इसलिए भी सबसे ज्यादा मांग रामेश्वरम् की ट्रेन की रहती है। अभी तक 22 ट्रेन रामेश्वरम् जा चुकी है और 20 से 22 हजार लोग अभी तक रामेश्वरम् की यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि ढाई दिन की यात्रा के बाद दो दिन मंदिर दर्शन का कार्यक्रम है। पहले दिन रामेश्वरम् मंदिर देखने जाएंगे और अगले दिन मीनाक्षी मंदिर देखेंगे। इसके बाद उसी रात को वापस दिल्ली के लिए रवाना होंगे। दो दिन की यात्रा के बाद दिल्ली पहुंच जाएंगे। सफर के दौरान खाने-रहने समेत अन्य सभी सुविधाओं का इंतजाम करने की पूरी कोशिश की है। रामेश्वरम् में पहुंचने पर वहां बसों का इंतजाम है। इस अवसर पर राजस्व मंत्री आतिशी मार्लेना ने यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बहुत से लोगों का रामेश्वरम धाम जाने का मन होता है, लेकिन दिल्ली से रामेश्वरम की दूरी और ज्यादा खर्च के कारण मन मारकर रह जाते है। मुख्यमंत्री तीर्थ-यात्रा योजना द्वारा हम अपने बुजुर्गों की इस इच्छा को पूरा कर रहे है।

सुधांशु त्रिवेदी का बड़ा आरोप, शराब घोटाले में पूरी 'आप' शामिल, यहां भ्रष्टाचार अब आम बात

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में हुए कथित शराब घोटाला मामले में सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद से आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी आमने सामने आ गई हैं। दोनों पार्टियों के नेता एक दूसरे पर जमकर वार कर रहे हैं। इसी बीच भाजपा सांसद और पार्टी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एक बार फिर आप पार्टी पर निशाना साधा और पूरी पार्टी को शराब घोटाला मामले में घेरा। वहीं सीएम केजरीवाल ने भी भाजपा पर निशाना साधा है।

भाजपा ने शराब घोटाला मामले में आप को घेरा

बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने पीसी के दौरान कहा कि हमारा मानना है कि यह देश के उन लोगों के लिए विचार का भोजन है जो प्रयोगात्मक राजनीति की बात करते हैं। यह प्रयोगात्मक राजनीति का समय नहीं है। प्रयोगात्मक राजनीति के परिणाम देश के लिए खतरनाक हो सकते हैं। यह देश की जनता के लिए सोच और विचार का समय है। उन्होंने आगे कहा कि अन्ना आंदोलन से निकली

आम आदमी पार्टी के चरित्र ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। आगे कहा कि पहले मनीष सिसोदिया जेल गए। फिर संजय सिंह रिमांड पर गए और अब शराब घोटाले में पूरी आम पार्टी शामिल है। आम आदमी पार्टी में भ्रष्टाचार अब आम बात हो गई है।

सीएम केजरीवाल का भाजपा पर तंज वहीं भाजपा की पीसी के बाद गाजीपुर लैंडफिल साइट पर पहुंचे सीएम अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधा और उन्होंने कहा कि उन्होंने हमारी हर जांच कर ली। क्या कुछ निकला है।आपने सुप्रीम कोर्ट में सुना। ये पूरा शराब घोटाला ही झूठा है। एक भी पैसे का भी लेन-देन नहीं हुआ। आगे सीएम ने कहा कि जज सबूत मांगते रहे। लेकिन उनके पास कुछ भी नहीं था। कुछ दिनों में शराब घोटाला बंद हो जाएगा। वे कुछ और लेकर आएंगे। वे सिर्फ लोगों को एजेंसियों और जांचों में उलझाए रखना चाहते हैं। वे न तो खुद काम करेंगे और न ही किसी और को काम करने देंगे।

मंत्री आतिशी ने संजय सिंह की गिरफ्तारी पर पीएम मोदी को घेरा

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने भी मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें संजय सिंह के आवास से एक पैसा भी नहीं मिला। लेकिन फिर भी उन्हें भाजपी की ईडी ने गिरफ्तार कर लिया। हम देख रहे हैं कि जो पार्टियां पीएम मोदी के खिलाफ बोलती हैं। उनके यहां पर ईडी, सीबीआई और आईटी रेड डाल दी जाती है। आप सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी पर दिल्ली की मंत्री और आप नेता आतिशी ने पीएम मोदी को घेरा।

मेट्रो फेज-3 प्रोजेक्ट की कवायद शुरू, DMRC ने डीपीआर के लिए GDA से मांगे 10 लाख

गाजियाबाद। मेट्रो फेज-3 प्रोजेक्ट नोएडा सेक्टर-62 से रैपिडएक्स ट्रेन के साहिबाबाद स्टेशन तक मेट्रो चलाने के लिए एक बार फिर से कवायद शुरू हुई है। मेट्रो फेज-3 प्रोजेक्ट की संशोधित डीपीआर तैयार करने के लिए डीएमआरसी ने जीडीए से 10 लाख रुपये मांगे हैं।

DMRC ने पुराना भुगतान भी मांगा

इसके अलावा पुराने बकाये के 23 लाख रुपये के भुगतान करने के लिए भी कहा है। प्रभारी मुख्य अभियंता मानवेंद्र सिंह ने बताया कि उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया है। जल्द ही भुगतान कर दिया जाएगा। मालूम हो, कि वर्ष 2020 में डीएमआरसी ने नोएडा सेक्टर-62 से वसुंधरा कट तक मेट्रो प्रोजेक्ट की डीपीआर तैयार की थी।

मेट्रो प्रोजेक्ट में आएगी 1517 करोड़ की लागत

5.017 लंबे रूट पर मेट्रो प्रोजेक्ट की लागत उस वक्त 1517 करोड़ रुपये प्रस्तावित थी। अब, क्योंकि वसुंधरा कट से आगे बढ़ाकर मेट्रो को रैपिडएक्स के साहिबाबाद स्टेशन से जोड़ने की योजना है। इसीलिए डीपीआर में थोड़ा संशोधन होना है। पुराने डीपीआर में थोड़ा संशोधन कर रैपिडएक्स के साहिबाबाद स्टेशन तक रूट को बढ़ाया जाएगा।

झूठा है शराब घोटाला : सीएम केजरीवाल बोले- केस में पार्टी को फंसाने की कोशिश, संजय सिंह के करीबियों से पूछताछ

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने संजय सिंह के करीबियों को समन जारी किया है।तो वहीं सीएम केजरीवाल ने एक बार फिर भाजपा और पीएम मोदी पर निशाना साधा। संजय सिंह के करीबी सर्वेश मिश्रा, कंवरबीर सिंह और विवेक त्यागी को तलब किया गया है। ताकी आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जा सके। खबर के मुताबिक, संजय सिंह ने सर्वेश को एक करोड़ रुपये दिए थे। संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद आप और भाजपा में बयानबाजी का सिलसिला लगातार जारी है।

सीएम केजरीवाल ने कहा- पार्टी को झूठे केस में फंसाने की हो रही कोशिश

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गाजीपुर लैंडफिल साइट पर पहुंच कर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि झूठे केस लगाकर पार्टियों को फंसाने की कोशिश हो रही है। ये हालात लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं। शराब घोटाला फर्जी है। एक पैसे का लेनदेन नहीं हुआ। एक सबूत नहीं है। थोड़े दिन में शराब घोटाला बंद हो जाएगा। फिर एक और ले आएंगे। तंग और टॉर्जर करके जबरदस्ती बयान लिए हैं। इन लोगों की नीयत खराब है। दिल्ली में इतने काम हो रहे हैं। केजरीवाल ने 1000 स्कूल बनाए, आप 2000

स्कूल बनाओ। इसमें बड़प्पन है। आप खुद काम नहीं करते हैं। 24 घंटे एजेंसी भेज रहे हैं। किसी की पार्टी तोड़ रहे हैं।

सीएम केजरीवाल ने कहा कि वे हमारी खिलाफ जांच कर रहे हैं। अभी तक कुछ भी सामने नहीं आया है। आपने कल सुप्रीम कोर्ट को सुना। पूरे का पूरा शराब घोटाला फर्जी है। एक पैसे का लेन देन नहीं हुआ। जज ने कोर्ट में ईडी से सबूतों के बारे में पूछा। लेकिन उनके पास कुछ भी नहीं था। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से जारी हुए समन के बाद संजय सिंह के सहयोगी सर्वेश मिश्रा दिल्ली में ईडी कार्यालय पहुंचे।

उन्होंने कहा कि सच्चाई की जीत होगी। ईडी ने संजय सिंह के तीन सहयोगियों विवेक त्यागी, सर्वेश मिश्रा और कंवरबीर सिंह को जांच में शामिल होने के लिए बुलाया है।

कोर्ट ने संजय सिंह को भेजा पांच दिन की रिमांड पर

गिरफ्तार राज्यसभा सांसद संजय सिंह को 10 अक्तूबर तक प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया गया। मामले में ईडी ने 10 दिन के हिरासत की मांग की थी। हालांकि, अदालत ने सुनवाई के दौरान ईडी के समक्ष कई सवाल उठाए। राउज एवन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल के समक्ष संजय सिंह को कड़ी सुरक्षा में पेश किया गया। ईडी ने संजय सिंह का 10 दिन का रिमांड मांगते हुए कहा कि वह मामले में पूरी तरह से लिप्त हैं।

अध्यात्म को बढ़ावा देने की गोली तैयार करेगा एम्स, कमेटी का हुआ गठन; जल्द सामने आएगा रोडमैप

नई दिल्ली। एम्स प्रशासन आध्यात्मिक चिकित्सा को बढ़ावा देने की योजना पर काम कर रहा है। इसके लिए अलग से विभाग का गठन होगा। इसमें योग, ध्यान, मंत्र समेत दूसरी आध्यात्मिक क्रियाएं के सहारे भी मरीज को राहत दिलाने की कोशिश होगी।

इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी एम्स में अनुशासनात्मक विभाग बनाने के लिए एक रोडमैप की सिफारिश करेगी। इस कमेटी के अध्यक्ष डीन (शैक्षणिक) और डीन (अनुसंधान), डीन (परीक्षा) और एसोसिएट डीन (शैक्षणिक) सदस्य व रजिस्ट्रार (एम्स) सदस्य सचिव होंगे। यह कमेटी मामले की विस्तार से जांच और सभी प्रासंगिक लोगों से परामर्श करने के बाद 31 अक्तूबर तक अपनी सिफारिशें देंगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि दवा तन को ठीक कर सकती है। लेकिन मरीज पर दवा का असर तभी बेहतर तरीके से होगा जब मन मजबूत होगा। मन को मजबूत करने में आध्यात्मिक चिकित्सा सबसे कारगर है। इसकी

मदद से व्यक्ति को तनाव मुक्त, चिंता मुक्त, फिर से जीने की इच्छा, खुद के प्रति लगाव को बढ़ाया जा सकता है। जो मरीज में ऐसे हार्मोन्स को बढ़ावा देता है जो रोग से लड़ने की क्षमता को बढ़ा देता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि कैंसर जैसे घातक रोग में अक्सर मरीज जीने की इच्छा ही खो देता है और तनाव में आकर दूसरी बीमारियों में फंस जाता है। ऐसे मरीजों में आध्यात्म काफी कारगर साबित हुआ है। मीडिया प्रभारी डॉ. रीमा दादा ने बताया कि विभाग के गठन की दिशा में जल्द काम शुरू कर दिया जाएगा।

एम्स में हर माह पहले बुधवार को आयोजित होता है सत्र

एम्स में हर माह के पहले बुधवार को आध्यात्म को लेकर सत्र का आयोजन होता है। इस सत्र में मरीजों, डॉक्टरों सहित अन्य लोगों को ध्यान, योग, मंत्र समेत आध्यात्म के दूसरे क्रियाओं के बारे में बताया जाता है।

साथ ही अभी तक हुए सत्रों में विभिन्न संस्थाओं से जुड़े विशेषज्ञों ने आध्यात्म के फायदे के बारे में बताया और मरीजों को इससे जुड़ने की अपील की। साथ ही इस दिशा में शोध भी शुरू किया गया है। इस शोध में देखा जा रहा है कि दवा के साथ आध्यात्म से मरीजों में क्या फायदा होता है। शोध में पाया गया है कि जिन्होंने दवा के साथ आध्यात्म का सहारा लिया उनकी रिकवरी काफी तेज हुई।

पोर्टल ने किया दिल्ली हाईकोर्ट का रुख, एफआईआर द्द करने की रखी मांग; रिमांड के आदेश को भी किया चैलेंज

नई दिल्ली। न्यूजक्लिक ने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की कार्रवाई के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। पोर्टल ने अपने याचिका में पुलिस द्वारा UAPA के तहत दर्ज की एफआईआर और गिरफ्तार लोगों को सात दिन के लिए पुलिस रिमांड पर भेजे जाने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। अदालत ने याचिका को स्वीकार कर लिया है और आज ही अदालत मामले की सुनवाई करेगा।

पुलिस ने चीन से फंडिंग मामले में की थी पोर्टल पर कार्रवाई

न्यूजक्लिक ने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की कार्रवाई के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। पोर्टल ने अपने याचिका में पुलिस द्वारा UAPA के तहत दर्ज की एफआईआर और गिरफ्तार लोगों को सात दिन के लिए पुलिस रिमांड पर भेजे जाने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। अदालत ने न्यूज पोर्टल की याचिका को स्वीकार कर लिया है और आज ही अदालत मामले की सुनवाई करेगा।

समाचार एजेंसी के मुताबिक, न्यूजक्लिक ने एफआईआर को रद्द करने की मांग की है। साथ ही याचिका में गिरफ्तार हुए लोगों को सात दिनों के लिए पुलिस रिमांड पर भेजे जाने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। न्यूजक्लिक की इस याचिका पर मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली पीठ सुनवाई करेगी।

न्यूजक्लिक की ओर से याचिका दायर करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि गिरफ्तारी अवैध रूप और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का उल्लंघन करते हुए की गई है।

बता दें कि प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मंगलवार को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने दिल्ली में न्यूजक्लिक के कार्यालय को सील कर दिया है। पोर्टल पर चीन समर्थक प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए पैसे लेने का आरोप लगाया गया है।

गाजियाबाद में मुस्लिम पड़ोसी ने दिनदहाड़े किशोरी पर किया तलवार से वार, सांप्रदायिक तनाव की स्थिति पैदा

गाजियाबाद । गाजियाबाद जिले के मोदीनगर की जगतपुरी कॉलोनी में दिनदहाड़े एक मुस्लिम पड़ोसी ने सरेराह किशोरी पर तलवार से वार कर दिया। घटना शाम लगभग चार बजे की है। आसपास के लोगों को आता देख आरोपी तलवार लहराता हुआ फरार हो गया। किशोरी की हालत गंभीर बनी हुई है।

घटना के बाद क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव की स्थिति पैदा हो गई है, जिसको देखते हुए आसपास के इलाकों से भी बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। एहतियातन मोदीनगर के साथ निवाड़ी और भोजपुर से भी पुलिस बल बुलाकर कॉलोनी में तैनात किया गया है।

डीसीपी ग्रामीण ने बताया कि दिव्या (16) पर उसके पड़ोस में रहने वाले शौकीन ने हमला किया है। नौवीं में पढ़ने वाली दिव्या घर से ट्यूशन के लिए निकली थी, तभी आरोपी आया और उस पर तलवार चला दी। सिर में तलवार लगने से वह गिर गई, जिसके बाद आरोपी ने उसके शरीर पर कई वार किए।

उन्होंने बताया कि शौकीन का

पत्नी से झगड़ा चल रहा है और वह लंबे समय से अकेला ही रह रहा है। हमले के बाद भागते हुए शौकीन सीसीटीवी कैमरों में कैद हुआ है। डीसीपी का कहना है कि फिलहाल हमले की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। शौकीन दिव्या के घर आता-जाता था। पीड़िता को हायर सेंटर में रेफर किया गया है। पुलिस ने पीड़िता के परिजनों से तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज किया।

ग्रेटर नोएडा में दबंगों ने बीच सड़क पर युवक को लाठी-डंडों से पीटा, वीडियो वायरल

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में एक युवक के साथ बीच सड़क पर मारपीट का एक वीडियो सामने आया है। इसमें करीब आधा दर्जन दबंगों ने एक युवक के साथ जमकर मारपीट की है उसके सिर पर पत्थर मारा और वहां से फरार हो गए। मारपीट की यह पूरी घटना एक दुकान के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

मिली जानकारी के मुताबिक, ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र के कस्बे में किसी बात को लेकर ऑटो में बैठे युवक का दूसरे युवक से विवाद हो गया। यह विवाद इतना बढ़ गया कि ऑटो में सवार दूसरे युवक ने अपने अन्य साथियों को बुला लिया और युवक को ऑटो से उतारकर उसके साथ जमकर मारपीट करनी शुरू कर दी।

पीड़ित अनिकेत ने बताया कि मंगलवार शाम को वह सूरजपुर से दादरी के लिए ऑटो में जा रहा था। उसी ऑटो में एक और युवक बैठा हुआ था। वह ऑटो वाले से बदतमीजी कर रहा था। मैंने इस बात का विरोध किया तो उसने मेरे साथ बदतमीजी करनी शुरू कर दी और मुझे देख लेने की धमकी दी। आगे जाकर मुझे ऑटो से उतार लिया और अपने अन्य साथियों को फोन करके बुला लिया। उसके बाद मेरे साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। इस दौरान इन युवकों ने मुझको जमकर पीटा। लाठी डंडों से मारपीट की और पत्थर से भी वार किया।

इस मारपीट में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई जिसमें साफ तौर पर दिख रहा है कि 4 से 5 युवक पीड़ित को सड़क पर गिरा कर पीट रहे हैं। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है। डीसीपी सेंट्रल जोन सुनीति ने बताया है कि वीडियो 3 अक्टूबर का है। पीड़ित ने 5 अक्टूबर को थाने आकर

अपनी शिकायत दर्ज करवाई है। जिसके आधार पर कड़ी धाराओं में मामला दर्ज किया जा रहा है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 3 टीम लगाई गई हैं। जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

शाहिद कपूर की 'फर्जी' वेब सीरीज देखकर नकली नोट छापने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहिद कपूर अभिनीत वेबसीरीज 'फर्जी' से प्रेरित होकर नकली भारतीय नोटों का व्यापार करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने भंडाफोड़ किया। क्राइम ब्रांच ने गिरोह के पांच सदस्यों को भी गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए लोगों में कार्टेल का सरगना सकूर मोहम्मद (25) भी शामिल है। इसके अलावा लोकेश यादव (28), हिमांशु जैन (47), शिव लाल (30) और संजय गोदारा (22) को भी पकड़ा गया। सभी आरोपी राजस्थान के रहने वाले हैं। विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) रवींद्र सिंह यादव ने कहा कि जाली मुद्रा में शामिल एक सिंडिकेट के संदिग्ध सदस्यों की गतिविधियों पर निगरानी रखी गई थी।

उन्होंने कहा कि सकूर और लोकेश नाम के दो अपराधियों के बारे में विशेष इनपुट प्राप्त हुआ था, जो एफआईसीएन के प्रसार में शामिल हैं, सूचना मिली थी कि वह एक संभावित रिसीवर को खेप देने के लिए अक्षरधाम मंदिर के पास के इलाके में आएंगे। इसके बाद जाल बिछाया गया और दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी तलाशी के दौरान उनके पास से 500 रुपये मूल्य के 6 लाख रुपये के बराबर उच्च गुणवत्ता वाले एफआईसीएन बरामद किए गए। पूछताछ करने पर आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्हें बरामद एफआईसीएन अपने सहयोगियों हिमांशु जैन, शिव लाल और उनके भाई संजय से सर्कुलेशन के लिए प्राप्त हुआ था। विशेष सीपी ने कहा कि यह भी पता चला कि आरोपी व्यक्तियों राधे, सकूर और शिव लाल ने पर्याप्त लाभ कमाने के उद्देश्य से अजमेर में एफआईसीएन की छपाई के लिए एक सेटअप स्थापित करने की साजिश रची थी।

इसके बाद उन्होंने अजमेर में एक किराए के घर पर एफआईसीएन छापने और दिल्ली-एनसीआर में विभिन्न ग्राहकों को नकली मुद्रा प्रसारित करने के लिए सिंडिकेट का संचालन किया। इन खुलासों के बाद, अजमेर में छापे मारे गए, जिसके बाद हिमांशु, शिव लाल और संजय को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से 11 लाख रुपये के बराबर बड़ी मात्रा में एफआईसीएन भी बरामद किया गया, जो सभी 500 रुपये के नोट के रुप में थे। स्पेशल सीपी ने बताया कि आगे की जांच करने पर एफआईसीएन को प्रिंट करने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण में दो लैपटॉप, तीन रंगीन प्रिंटर, दो लेमिनेशन मशीन, दो पेन ड्राइव, पेपर शीट, स्याही और रसायन, 'सुरक्षा धागे' के रूप में उपयोग की जाने वाली दो गॉज, हरी फाइल शीट और एफआईसीएन पर 500 को अंकित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले फ्रेम शामिल हैं। अजमेर में किराये के मकान से चमकती हुई स्याही भी बरामद की गई। इसके अलावा, एफआईसीएन के प्रसार में सभी आरोपी व्यक्तियों द्वारा इस्तेमाल किए गए मोबाइल, सिम कार्ड, एक क्रेटा और एक स्विफ्ट भी जब्त की गई। सकूर पेशे से पेंटर था और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 2015 में अजमेर आया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'सवाल किसी राजनीतिक दल को फंसाने के लिए नहीं'

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को यह स्पष्ट करते हुए कहा कि कथित दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले के आरोपी पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से पूछा गया उसका सवाल 'किसी राजनीतिक दल को फंसाने के लिए नहीं,' बल्कि सिर्फ एक कानूनी सवाल था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एस वी एन भट्टी की पीठ ने अपनी स्थिति तब स्पष्ट की जब श्री सिसौदिया की ओर से वरिष्ठ वकील ए एम सिंघवी ने कहा कि पार्टी को आरोपी क्यों नहीं बनाया गया, इस सवाल को समाचार आउटलेट्स ने इस तरह पेश किया, जैसे अदालत आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाना चाहती थी।

श्री सिंघवी ने कहा, 'यह शीर्षक है,- अदालत ने ईडी से पूछा कि आप (आम आदमी पार्टी) आरोपी क्यों नहीं है और आज सुबह सभी चैनल यह दिखा रहे हैं कि ईडी ने संकेत दिया है कि वह आप को आरोपी बनाना चाहती है।' पीठ ने कहा कि यह अदालत की टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह एक सवाल है। हम मीडिया से प्रभावित नहीं होते। हालाँकि, पीठ ने कहा, 'हम सवाल पूछते हैं, हम जवाब चाहते हैं।' पीठ ने ईडी और सीबीआई का पक्ष रख रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू से कई सवाल पूछे। पीठ ने यह भी पूछा, 'सबूत कहां है? दिनेश अरोड़ा खुद प्राप्तकर्ता हैं। सबूत कहां है? क्या दिनेश अरोड़ा के बयान के अलावा कोई अन्य सबूत है।' पीठ ने कहा, 'हम समझते हैं कि नीति में बदलाव हो रहा है। हर कोई उन नीतियों का समर्थन करेगा जो व्यापार के लिए अच्छी हैं। दबाव समूह हमेशा वहां रहते हैं। बिना पैसे के विचार के गलत होने पर भी नीति में बदलाव से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यह पैसे का हिस्सा है जो इसे अपराध बनाता है।÷

श्री सिंघवी ने जमानत के पक्ष में दलीलें पूरी करते हुए कहा, 'आज जिस व्यक्ति की समाज में अच्छी जड़ें हैं।भागने का खतरा नहीं है। वह आठ महीने से जेल में है। मामले में स्पष्ट खामियां हैं और उसके बरी होने की अच्छी संभावना है।

अर्थशास्त्र, योजना एवं विकास विभाग में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। अर्थशास्त्र, योजना और विकास विभाग, एसओएचएसएस ने 6 अक्टूबर 2023 को स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग बी ब्लॉक के सभागार में '21वीं सदी में करियर और अवधारणाएं' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कुलपति आर के सिन्हा, डीन प्रोफेसर बंदना पांडे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। एचओडी डॉ. ओमबीर सिंह, अर्थशास्त्र, योजना और विकास विभाग, संकाय सदस्य डॉ. राहुल, डॉ. ममता सिंह, श्री करण देशवाल , श्री अनमोल कुमार, सुश्री वैशाली जैन और 75 से अधिक छात्र ने भाग लिया। विभाग ने प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. सुरोजीत साहा को आमंत्रित किया। डॉ. सुरोजीत साहा का अर्थशास्त्र, योजना एवं विकास विभाग के एचओडी ने गर्मजोशी से स्वागत किया।ब्रांड प्रबंधन में पीएचडी के प्रोफेसर डॉ. सुरोजीत साहा प्रख्यात वक्ता थे। उन्होंने 21वीं सदी के अनुसार करियर और संभावनाओं के अर्थ को संरेखित करने में मदद की। उन्होंने हमारी शिक्षा, परिवार, दोस्तों, व्यक्ति के अपने विचारों और बाहरी सामाजिक नैतिकता के महत्व पर प्रकाश डाला। हमारे कार्यों, निर्णयों की भूमिका से हमारे करियर और

समग्र रूप से जीवन पर , जीवन भर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने 21वीं सदी में आने वाले अवसरों और विभिन्न करियर संभावनाओं के बारे में अपने विचारों से छात्रों और सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने एआई, ब्लॉक चेन, स्टार्टअप बूम, उद्यमशील करियर और फिनटेक कंपनियों के उदय आदि जैसे वित्तीय नवाचारों और प्रौद्योगिकियों पर प्रकाश डाला। यह दशार्ता है कि देश के युवाओं का भविष्य उज्ज्वल है। विशेषज्ञ अतिथि वक्ता को अर्थशास्त्र, योजना और विकास विभाग के एचओडी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया । यह कार्यक्रम एचओडी के छात्रों के प्रति दयालु और उत्साहवर्धक शब्दों के साथ समाप्त हुआ, जिसमें कार्य जीवन में टीम वर्क, ईमानदारी और समर्पण की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। एचओडी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रम कौशल भारत अभियान पर प्रकाश डालते हुए छात्रों के पास अपार अवसर हैं। .छात्रों को सभ्य नागरिकता पर गहरी अंतर्दृष्टि, अच्छा सीखने का अनुभव और नैतिक मूल्य प्राप्त हुए। कुल मिलाकर, कार्यक्रम सभी के लिए बहुत समृद्ध था।

संक्षिप्त डायरी

रेरा के आदेश के बाद 2 प्रमोटर्स ने 5 आवंटियों को लौटाई 62 लाख की रकम

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। उ.प्र. रेरा के आदेश के बाद दो प्रमोटर ने मिलकर पांच आवंटियों को 62 लाख 11 हजार रुपए की धनराशि वापस की है। रेरा के आदेश पर ग्रेटर नोएडा में आवासीय योजना समय पर विकसित न करने पर मेसर्स निवास बिल्डर व मेसर्स रिनाउंड बिल्डटेक ने पांच आवंटियों को 62.11 लाख रुपये भुगतान किया। यह फैसला बिल्डरों व आवंटियों के बीच आपसी सहमति बनने पर सुनाया गया। नोएडा वेस्ट के सेक्टर-10 में आवासीय वन लीफ ट्रॉय परियोजना का निर्माण व विकास कार्य कई साल से बंद पड़ा था। नियम व शर्तों के मुताबिक बिल्डर द्वारा निर्माण नहीं किया गया और रेरा में शिकायत कर जमा धनराशि वापस मांगी गई थी। इस पर रेरा ने आवंटियों को रिफंड दिलाने के लिए कई मामलों में वसूली प्रमाण पत्र भी जारी किया था। इसके पहले बिल्डरों ने इस परियोजना के आवंटियों की मांग का समाधान करते हुए 1.50 करोड़ का भुगतान किया था। रेरा ने मेसर्स निवास बिल्डर व मेसर्स रिनाउंड बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड के बीच आपसी समाधान कर पांच आवंटियों को 62 लाख 11 हजार रुपये भुगतान कराया है जो बिल्डरों ने आवंटी, दिनेश जोशी, केडी जोशी, नवरतन यादव, निरंजन कुमार व नितिन मोहन को भुगतान कर दिए हैं। सभी 5 आवंटियों को लगभग रुपये 62 लाख 11 हजार की धनराशि का भुगतान किया गया है। इसके अन्तर्गत सभी आवंटियों, दिनेश जोशी को 11.62 लाख, के डी जोशी 10.12 लाख, नवरतन यादव 7.98 लाख, निरंजन कुमार को 18.64 लाख तथा नितिन मोहन को 13.73 लाख दिए गए हैं।

पीजी में तोड़फोड़ के मामले में चार पर केस दर्ज

नोएडा, । रायपुर गांव स्थित पीजी में कार्यरत कर्मचारियों से मारपीट करने और बिजली मीटर व डीबीआर को तोड़ने के मामले में एक युवक ने अपनी मां,बहन और भाई के खिलाफ सेक्टर-126 थाने में केस दर्ज कराया है। शिकायत में रायपुर निवासी आदेश ने बताया कि गांव में उसका मदर टच के नाम से पीजी है। आरोप है कि शिकायतकर्ता की मां उर्मिला,भाई आकाश, बहन भावना और निशा जबरन पीजी पर कब्जा करना चाहती हैं। कुछ दिन पहले चारों ने फिर से कर्मचारियों से मारपीट की और अंदर लगे बिजली मीटर और डीबीआर को तोड़ डाला। पूर्व में भी चारों ने पीजी में कार्यरत कर्मचारियों से मारपीट की है और अंदर रखे सामान को क्षतिग्रस्त किया है। इस दौरान आरोपियों ने शिकायतकर्ता से भी गाली गलौज की। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पीजी के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला जा रहा है।

अकबर खान बने समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा,। नोएडा वेस्ट के गांव सैनी निवासी अकबर खान को समाजवादी अल्पसंख्यक का जिलाध्यक्ष बनाया है। उनकी नियुक्ति समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश अध्यक्ष मौहम्मद शकील नदवी द्वारा की गई है। यह जानकारी देते हुए समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने बताया कि अकबर खान पिछले बीस वर्ष से अधिक समय से समाजवादी पार्टी में जुड़े हुए हैं और पूर्व में अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष सहित कई महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाल चुके है। उनकी निष्ठा एवं सक्रियता को देखकर उनको यह जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें आशा कि वह अपने जिम्मेदारी का निर्वाह पूरी ईमानदारी के साथ करते हुए समाजवादी पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा का जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर अकबर खान ने प्रदेश नेतृत्व एवं जिला संगठन का आभार व्यक्त करते हुये कहा है कि वह समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य पूरी ईमानदारी के साथ करेंगे और जिले में समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिये हरसम्भव

गलगोटिया विश्वविद्यालय के भव्य कार्यक्रम मे कृष्ण कुमार शर्मा को पीएचडी की मानद उपाधि से सम्मानित किया

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर ।अंतराष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के सभागार ग्रेटर नोएडा में शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी एवं शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित हुआ ।मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री रवींद्र शुक्ल तथा गलगोटिया यूनिवर्सिटी वाइस चांसलर अवधेश सिंह के कर कमलों द्वारा 151 शिक्षकों को सम्मानित किया गया । पाचं शिक्षको डीलिट व 11 शिक्षको को पीएचडी की मानद उपाधि से सम्मानित किया .इस कार्यक्रम में गौतमबुद्धनगर, बरेली, मुरादाबाद , जोनपुर ,बलिया, आगरा ,अमरोहा,कानपुर, मेरठ, गाजियाबाद, बुलन्दशहर , झासी, हाथरस , से उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षको को सम्मानित किया गया.सभी को प्रशस्ति पत्र मोमेंटो शॉल से सम्मानित किया गया ।

शारदा यूनिवर्सिटी को प्रोजेक्ट के लिए मिला करीब डेढ़ करोड़ रुपये का फंड

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर । साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग गवर्नमेंट ऑफ इंडिया और आईआईटी रुड़की के आई हब दिव्य संपर्क विभाग ने दिया फंड ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित शारदा यूनिवर्सिटी को साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग गवर्नमेंट ऑफ इंडिया और आईआईटी रुड़की के आई हब दिव्य संपर्क की तरफ से फैकल्टी के प्रोजेक्ट और फैसिलिटी सेंटर को खोलने के लिए लगभग 1 करोड़ 35 लाख रुपये का फंड दिया।शारदा यूनिवर्सिटी के आई हब शारदा विभाग के कॉर्डिनेटर अमित सहगल ने बताया कि आईआईटी रुड़की के आई हब दिव्य संपर्क विभाग को देश के करीब 17 इंस्टीट्यूट ने अपने प्रोजेक्ट भेजे थे। जिसमें यूनिवर्सिटी की तरफ से फैकल्टी के 9 प्रोजेक्ट में 7 प्रोजेक्ट सिलेक्ट किए गए और उन पर पर काम करने के लिए करीब 70 लाख रुपये फंड दिया गया। डॉ पल्लवी गुप्ता, प्रोफेसर आरसी सिंह,डॉ सुदीप समेत अन्य फैकल्टी को अपने प्रोजेक्ट के लिए फंड मिला।वहीं यूनिवर्सिटी के आई हब शारदा विभाग को सेंट्रल फैसिलिटी डेवलप करने के लिए 68 लाख रुपये का फंड की मंजूरी मिली।शारदा यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ सिबाराम खारा ने कहा कि हमें अपनी फैकल्टी पर गर्व है। जिनकी मेहनत और लगन की वजह से हमें फंड मिला है। हम आगे भी फैकल्टी के प्रोजेक्ट में मदद करने के लिए और बेहतर कार्य करेंगे।

आपदा से निपटने का प्रशिक्षण मिलेगा

ग्रेटर नोएडा,। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के साथ एक समझौते किया है, जिसके माध्यम से आपदा प्रबंधन प्रक्रिया को मजबूत, सुचारू बनाने और आपदा जोखिम कारकों के बारे में जागरूकता, मैदान में त्वरित आपदा स्थितियों का ठीक करने और इससे प्रभावी तरीके से निपटने समेत नई पीढ़ी को मेंटरिंग और हेंड होल्डिंग करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कुलपति प्रो. रवींद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि विश्वविद्यालय इस प्रकार के कई और प्रशिक्षण कार्यक्रम ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड में आयोजित करने की योजना तैयार कर रहा है। विश्वविद्यालय यूआईएन-डीआरआर के तहत आपदा जोखिम संकट कमी के लिए अनुसंधान, सेमिनार, कार्यशाला और पाठ्यक्रम का मानकीकरण के लिए छात्रों और शिक्षकों को आवश्यक वातावरण और सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास कर रहा है।

विश्व हिन्दू परिषद् बजरंग दल ,शौर्य जागरण यात्रा

गौतमबुद्धनगर । गौतमबुद्धनगर।विश्व हिंदू परिषद,बजरंग दल के कार्यकताओं द्वारा अगामी 08 अक्टूबर 2023 को पश्चिमी उत्तर प्रदेश से नॉएडा महानगर में शौर्य जागरण यात्रा प्रवेश करेंगी, जिसमे मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमान सोहन सोलंकी जी , क्षेत्रीय संगठन मंत्री ,विश्व हिन्दू परिषद् उपस्थित रहेंगे विश्व हिंदू परिषद,बजरंग दल अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के महोत्सव में अधिकाधिक लोगों को जोड़ने के लिए देशव्यापी शौर्य जागरण यात्रा एवं हिन्दू सभा का आयोजन किया जा रहा हैं।हिन्दू युवाओ में अपने पूर्वजो के प्रति गौरव का भाव जागृत हो , अमर बलिदानियो के जीवन चरित्रों से प्रेरणा लेकर देश के लिए जीवन जीने हेतु हिन्दू युवा संकल्प ले. ।नोएडा महानगर के संपूर्ण हिंदू समाज एवं राम भक्त सेआवाहन किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर हिन्दू सभा कार्यक्रम को सफल बनाएं, ।नोएडा महानगर मंत्री श्रीमान दिनेश महावर जी ने पूर्ण रूट की जानकारी इस प्रकार दी है जिस यात्रा का मार्ग निम्न प्रकार है

यात्रा मार्ग दिशाए :-

कुलेशरा हिंडन नदी से फेस -2, फेज-2 से सेक्टर-82 पेट्रोल पंप, सेक्टर-82 पेट्रोल पंप के पीछे से केंद्रीय विहार, पॉकेट 12, पॉकेट-7, गेझा कार मार्किट

गेझा कार मार्किट से सेक्टर 110 बारात घर,

सेक्टर 110 बारात घर, से महर्षि आश्रम मार्ग से होते हुए सेक्टर 104 लाल बत्ती

सेक्टर 104 लाल बत्ती से होते हुए वोडा महादेव मंदिर होते हुए सेक्टर 49 लालबत्ती चोराहा

सेक्टर 49 लालबत्ती से होते हुए सीधा मार्ग नॉएडा स्टेडियम गेट 4, फुटबॉल ग्राउंड सेक्टर 21

दिनांकः 8 अक्टूबर २०२३

समयः सांयः 4 बजे

स्थानः फूटबाल ग्राउंड गेट न-3 ०4 नॉएडा स्टेडियम सेक्टर 21, नोएडा

-सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है।-

- सतवीर जी - यात्रा प्रमुख नॉएडा महानगर

- छाया सिंह - अध्यक्ष नॉएडा महानगर

-दिनेश महावर- मंत्री नॉएडा महानगर

-राहुल कुमार - प्रचार प्रसार प्रमुख नोएडा महानगर

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में हुआ उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर । गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग के अंतर्गत विभिन्न कोर्स जैसे परास्नातक शिक्षाशास्त्र, बी.पीएस , एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए 4 और 5 अक्टूबर को दो दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।नए कोर्सेस के अंतर्गत विश्वविद्यालय में देश के विभिन्न राज्यों से विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ है। दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके सहपाठियों , प्रवक्ताओं तथा विश्वविद्यालय के साथ एक नई यात्रा हेतु परिचित कराना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. रविंद्र कुमार सिन्हा ने की। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विश्वविद्यालय में एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (बीए-बीएड, बीएससी-बीएड, बीकॉम-बीएड) का संचालन हो रहा है। यहां उल्लेखनीय है कि इस प्रोग्राम हेतु राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण परिषद ने पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत देश के 42 विश्वविद्यालयों का चयन किया था। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय तीनों स्ट्रीम्स में एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम को उपलब्ध कराने वाला उत्तर प्रदेश का एकमात्र विश्वविद्यालय है। आदरणीय कुलपति डॉ. रविंद्र कुमार सिन्हा ने विश्वविद्यालय की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को संपूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यह प्रोग्राम अपने आप में एक विशिष्ट प्रोग्राम है क्योंकि यह आपके विषय को शिक्षण प्रशिक्षण के साथ संबद्ध करता है। डीन एकेडमिक प्रो. एन.पी. मलकानिया ने विद्यार्थियों को उनकी शिक्षण अधिगम प्रकिया को प्रभावी बनाने हेतु पुस्तकालय के अधिकाधिक प्रयोग हेतु प्रेरित किया। स्कूल डीन प्रो. बंदना पांडे ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को सभी प्रकार के सहयोग हेतु आश्वसित किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में ऐसे प्रोग्राम्स में छात्राओं की बढ़ती प्रतिभागिता पर भी प्रकाश डाला। विभाग के संस्थापक प्रमुख डॉ. विनोद कुमार शानवाल ने विभाग की यात्रा को याद करते हुए बताया कि कैसे मात्र दो विद्यार्थियों से प्रारंभ होने वाले विभाग ने आज सैकड़ों की तादाद में विद्यार्थियों का पंजीकरण हो रहा है। विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव ने प्रवेश प्रकिया, पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की। अंत में डॉ. विनोद कुमार शानवाल के धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में विभाग की प्रवक्ता डॉ. श्रुति कंवर, डॉ. माया मिश्रा, डॉ. प्रदीप यादव, डॉ. वैशाली एवम बी. एड. के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्पीकर कुलतार सिंह संधवां द्वारा राजनैतिक मुद्दों पर राष्ट्रमंडल देशों के दरमियान बेहतर तालमेल की वकालत

चंडीगढ़-कैनेडा के साथ चल रहे झगड़े के दरमियान पंजाब विधान सभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने आज कुछ राजनैतिक मुद्दों पर राष्ट्रमंडल देशों के दरमियान बेहतर तालमेल पर ज़ोर दिया है। घाना में कामनवैल्थ पार्लियामैंटरी कान्फ़्रेंस (सी. पी. सी.) के दौरान स्पीकर ने कहा कि कुछ मुद्दों को अनावश्यक दलीलों देकर तूल दिया गया है। किसी देश का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि राष्ट्मंडल देशों के दरमियान बेहतर तालमेल के साथ इस रुझान को शुरू में ही रोक लगानी चाहिए। कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि यह ग़ैर-वाजिब मुद्दे सह अस्तित्व के अनुकूल माहौल में रुकावट पैदा करते हैं। स्पीकर ने आगे कहा कि पूरी दुनिया वातावरण के पक्ष से बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है और हम (राष्ट्मंडल देश) मिलकर सभी के लिए स्थायी वातावरण सृजन करने के लिए समाज में बदलाव लिया रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर अग्रणी भूमिका निभाने का जिम्मा विकसित देशों के पर है। इस मौके पर स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने स्थानीय गुरुद्वारा साहिब में माथा टेका और उन्होंने प्रवासी पंजाबियों के साथ मुलाकात भी की। ज़िक्रयोग्य है कि सालाना समागम कामनवैल्थ पार्लियामैंटरी कान्फ़्रेंस (सी. पी. सी.) विश्व राजनैतिक मुद्दों पर चर्चा करने और इस पर सहमति बनाने के लिए राष्ट्मंडल देशों के संसद सदस्यों को एक मंच पर इकट्ठा करता है। बताने योग्य है कि कैनेडा पहली बार 1931 में ब्रिटिश कामनवैल्थ में एक स्वतंत्र राज्य के तौर पर शामिल हुआ था।

शिक्षा सहायक लगाने से नतीजों में सुधार : खेमका

गुरुग्राम। हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव, अभिलेखागार विभाग एवं जिला नूंह प्रशासक अशोक खेमका ने कहा कि आकांक्षी जिला नूंह में शिक्षा सहायक लगाये जाने के सकारात्मक नतीजे आ रहे हैं। इससे स्कूलों में स्टाफ की कमी भी दूर हुई है और सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या भी बढ़ी है और साथ ही परीक्षा परिणाम में भी सुधार हुआ है। एसीएस अशोक खेमका वीरवार को लघु सचिवालय के कांफ्रेंस हाल में आकांक्षी जिला के तहत चल रही विकास परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने नूंह व इंडरी खंडों में सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के प्रस्ताव के तहत 4520 एकड़ भूमि को कवर करने संबंधी कार्य पर संबंधित विभाग द्वारा तुरंत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार सिविल अस्पताल मांडीखेड़ा की क्षमता 100 बिस्तर से 200 बिस्तर तक बढ़ाने मामले पर जरूरी कार्य व त्वरित कार्यवाही करने निर्देश दिए। उन्होंने बताया

कि महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में सभी लाभपात्रों को पंजीकृत कर लिया गया है, इसके अलावा स्टाफ की कमी को पूरी करने की कार्यवाही की जाए तथा सभी लाभपात्रों को सरकार की योजनाओं का लाभ देना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि रैनिवेल सप्लाई लाइन पर कोई भी अवैध टैपिंग नहीं होनी चाहिए इसके लिए पेट्रोलिंग टीम गठित की जाए तथा इसके लिए संबंधित क्षेत्र की ग्राम पंचायतों को भी जिम्मेवारी सौंपी जाए, ताकि लाइन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। बैठक में उपायुक्त धीरेंद्र खडग़टा, एसपी नरेंद्र बिजारनिया, एसीयूटी राहुल, एसडीएम तावडू संजीव व संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जीएसटी संग्रह में हरियाणा शीर्ष पांच राज्यों में

चंडीगढ़। जीएसटी संग्रह के मामले में हरियाणा, देश के शीर्ष 5 राज्यों में शामिल हो गया है। इस वित्त वर्ष के पहले 6 महीनों (अप्रैल-सितंबर 2023) में राज्य का कुल कर संग्रह पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 27,155 करोड़ रुपये की तुलना में 32,076 करोड़ रुपये रहा, जो 18.3

प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस अवधि में वैट का संग्रह 5,568 करोड़ रुपये था। आईजीएसटी निपटान और एसजीएसटी मुआवजे सहित एसजीएसटी संग्रह 20,670 करोड़ रुपये था, जो 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। उत्पाद शुल्क संग्रह 5,757 करोड़ रुपये था, जो 16.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

कृषि विज्ञान केंद्र में धान की सीधी बिजाई विषय को लेकर किसान मेले का हुआ आयोजन

कुरुक्षेत्र। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुरुक्षेत्र स्थित कृषि विज्ञान केंद्र ने धान की सीधी बिजाई विषय पर जिला स्तरीय किसान मेला 5 अक्टूबर 2023 को आयोजित किया। कार्यक्रम का आयोजन चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज और विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ बलवान सिंह मंडल के दिशा निर्देश के अनुसार सफल तरीके से किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ समन्वयक डॉ नसीब सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा जिले में किए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन सस्य विज्ञान वैज्ञानिक डॉ सरिता रानी ने किया। उन्होंने किसानों को जिले में धान गेहूं फसल चक्र की स्थिति के बारे में व्याख्या करते हुए किसानों को धान की सीधी बिजाई की तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर के समन्वयक डॉ संदीप रावल ने प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित प्रयोग करते हुए खेती करने का आवाहन किया। हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग कुरुक्षेत्र के उपमंडल कृषि अधिकारी थानेसर डॉ जितेन्द्र मेहता ने किसानों को कृषि और किसानों से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दी।

उन्होंने किसानों को धान की पराली के उचित प्रबंधन करने के लिए एकजुट होकर प्रयास करने को कहा। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा जिले में धान की सीधी बिजाई करने वाले प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ फतेह सिंह (पादप रोग विज्ञान) डॉ मनोज कुमार (कृषि वानिकी), डॉ ललिता रानी (गृह विज्ञान), डॉ कविता (मृदा विज्ञान) और डॉ ममता (मौसम विज्ञान) ने अपने अपने विषयों से संबंधित नवीनतम जानकारी किसानों को दी। डॉ ललिता रानी ने किसान मेले में पधारने पर उपस्थित सभी अतिथियों, वैज्ञानिकों तथा किसानों का धन्यवाद किया। मेले में लगभग 300 किसान शामिल हुए।

जिसका स्वभाव मधुर हैं, उसका जीवन भी मधुर बन जाता हैं - विपिन शर्मा

नारनौल। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद्, चण्डीगढ की जिला शाखा नारनौल द्वारा मोनिका गुप्ता उपायुक्त एवं अध्यक्षा, जिला बाल कल्याण परिषद् नारनौल के मार्गदर्शन में आज दिनांक 05-10-2023 को यदुवंशी शिक्षा निकेतन, कनीना में बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें स्कूल के सभी विद्यार्थी एवं अध्यापको को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता योजना के नोडल अधिकारी एवं सेवानिवृत जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा ने बताया कि वास्तव में बाल अवस्था कोरे कागज की तरह होती है। जब बच्चा छोटा होता है, तभी से उसमें अच्छे संस्कार रूपी पौधा रोपा जाना सम्भव होता है, जिसे समय के साथ और अधिक पुष्पित व पल्लवित किया जा सकता है। ऐसे में प्रत्येक परिवार के हर एक सदस्य का दायित्व है कि बच्चों में भौतिक संसाधनों के स्थान पर अच्छी शिक्षा व संस्कार देने का लक्ष्य तय करें क्योंकि आज के युवा जिस तनाव, अवसाद, गलत संगत, अंधविश्वास और अनुशासनहीनता की गिरफत में है, उसका मूल कारण परिवारों में संस्कारो का अभाव ही है। ऐसे में यदि आरम्भ से बच्चों को सुसंस्कार दिए जाए तो वे न केवल अपना जीवन सुधारेंगे, बल्कि परिवार के इलावा आमजन का भी सम्मान करेंगे। आज व्यक्ति एवं समाज में साम्प्रदायिक्ता, जातीयता भाषावाद्, हिंसा, अलगाववाद, भ्रष्टाचार, यौनशोषण, नशाखोरी, भ्रुण हत्या की संकीर्ण भावनाओं व समस्याओ के मूल में नैतिक मूल्यों का पतन ही उत्तरदायी कारण है। मानव को सामाजिक प्राणी होने के नाते कुछ सामाजिक नितियो का पालन करना पड़ता है जिनमें संस्कार, सत्य, परोपकार, अहिंसा आदि शामिल है।

वास्तव में ये सभी नैतिक गुणों में आते है और बच्चों को इन्हें बचपन से ही धारण कर लेना चाहिए ताकि अच्छे परिवार, समाज, राष्ट्र का निर्माण हो सकें। उन्होंने बच्चों को उच्च श्रेणी की शिक्षा प्राप्त करने के साथ-2 नैतिक मूल्यों की शिक्षा को भी अवधारण करने के लिए प्रेरित किया तथा अपने बुजुर्गो, अध्यापको व अपने सभी सगे-सम्बन्धियों का आदर करने की अपील की। उन्होनें बताया कि अच्छा स्वभाव सुंदरता की कमी को भी पूरा कर देता हैं पर अच्छे स्वभाव की कमी हो तो सुंदरता से उसकी पूर्ति कभी नहीं की जा सकती हैं। चेहरे की सुंदरता तो प्रकृति पर निर्भर होती हैं पर स्वभाव की सुंदरता आपकी प्रवृति पर निर्भर करती हैं। चेहरे की सुंदरता जहॉ केवल ऑखों में उतर पाती हैं, स्वभाव की सुंदरता वहीं दिल तक उतर जाती हैं। आदमी इसलिए भी दुखी रहता हैं क्योंकि वो मकान, शहर, देश, मित्र, संबंध सब कुछ बदलता हैं मगर अपना स्वभाव नहीं बदल पाता। जीवन की सत्यता तो ये हैं कि अपने स्वभाव से ही आदमी सुखी और दुःखी बनता है। अच्छा स्वभाव व्यक्ति को किसी के दिल में उतार देता हैं तो बुरा स्वभाव व्यक्ति को किसी के दिल से भी उतार देता हैं। इसलिए अपने स्वभाव को मृदु बनाओ ताकि आपका पूरा जीवन मधुरता से भर सकें। जिसका स्वभाव मधुर हैं, उसका जीवन भी मधुर बन जाता हैं।

इस अवसर पर विद्यालय के डॉ0 धर्मेश कौशिक डिप्टी डायरेक्टर यदुवंशी शिक्षा ग्रुप ने नैतिक मूल्यों पर अपने विचार रखे और बच्चों से अपील की कि वे बताई गई सभी बातो को अपने जीवन में व्यवहारिक रूप से लागू करें तथा अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के साथ-2 अच्छे नागरिक भी बने। इस अवसर पर बाल भवन नारनौल से सुरेन्द्र शर्मा तीरन्दाजी कोच बाल भवन नारनौल तथा प्राचार्य नरेन्द्र गौतम, मोनिका गतिविधि ईन्चार्ज, मुनेश कुमारी एग्जाम हैड, शशि कला सिनियर कोर्डिनेटर, अमित कुमार व ओमवीर डी0पी0ई0 सहित सभी स्टाफ एवं स्कूली बच्चें उपस्थित रहें।

देश की संवैधानिक संस्थाओं पर चोट कर रही भाजपा : प्रोफेसर कारसा

करनाल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विचार विभाग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक नयी दिल्ली पार्टी मुख्यालय में सम्पन्न हुई। जिसमें विचार विभाग के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर कृष्ण कारसा को शामिल होने का अवसर मिला। यह जानकारी देते हुए प्रोफेसर कारसा ने बताया कि इस बैठक की अध्यक्षता विचार विभाग की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मन्त्री डॉ गिरिजा व्यास ने की। डॉ कारसा ने बताया कि राष्ट्रीय महासचिव नियुक्ति होने के बाद यह उनकी पहली मीटिंग थी। जिसमें डॉ गिरिजा व्यास ने कार्यकारिणी को उनका परिचय करवाया और उनको गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ कारसा ने अपनी स्वलिखित एक पुस्तक उनको भेंट की। जिसका विमोचन कुछ दिन पहले अपने चण्डीगढ आवास पर पूर्व मुख्य मन्त्री एवं नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडडा ने किया था। इस बैठक में अपने सम्बोधन में प्रोफेसर कारसा ने देश और प्रदेश के राजनीतिक हालात पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज मंहगाई चरम पर है। बेरोजगारी के कारण करोड़ों युवा धक्के खा रहे हैं। देश की संवैधानिक संस्थाओं पर चोट हो रही है। कानून व्यवस्था का दिवाला पिट चुका है। आपसी भाईचारा खराब हो रहा है और सबसे बड़ा मुद्दा आज देश के सामने कर्मचारियों की पुरानी पेंशन स्कीम का है। गत रविवार को इसी मुद्दे को लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान में देश के बीस राज्यों से आए लाखों कर्मचारी शामिल हुए। जिसमें चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडडा ने शामिल होकर अपने सम्बोधन में कहा कि हरियाणा में उनकी सरकार आते ही वह मन्त्रीमण्डल की पहली बैठक में पहली कलम से कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल की जायेगी। ज्ञात रहे कि कांग्रेस शासित राज्यों में पहले ही यह स्कीम लागू की जा चुकी है।

डिफेंस में देश को आत्मनिर्भर बना रहा पानीपत

पानीपत। देश का इतिहास बदलकर रख देने वाले तीन-तीन युद्धों का गवाह रहा पानीपत आज भी देश की रक्षा में भी अपना अहम योगदान दे रहा है। टेक्साटइल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध यहां के उद्यमियों ने देश की सुरक्षा में काम आने वाली मशीनें बनाना शुरू कर दिया है।?स्पेशल क्राफ्ट, रोववर्स, मिसाइल, सैनिकों के बूट के लिए कपड़ा बनाने के लिए यहां के उद्यमियों ने मशीनें बनाकर देनी शुरू कर दी है। इन मशीनों से जो कपड़ा बन रहा है, उस कपड़े के बने बूट में कील भी नहीं लगेगी। दुर्गम स्थानों पर जाने वाले जवान इस कपड़े के बने जूते पहनेंगे। कील लगने से पैर घायल नहीं होंगे। इसके साथ ही फिल्टरेशन में काम आने वाले कपड़े के लिए मशीनें बनाने का काम भी यहां किया जाने लगा है। बताया गया है कि स्पेशल क्राफ्ट, स्पेश में जाने वाले राकेट में ऐसे कपड़े की जरूरत होती है जो स्टील से भी अधिक मजबूत होता है, लेकिन वजन में हल्का होना चाहिए। ऐसे कपड़े के लिए भी यहां मशीनें बन रही है। जिले में टेक्सटाइल मशीनरी बनाने के लिए 20 उद्योग लगे हुए हैं। इनमें बेडशीट, कर्टन क्लाथ, कारपेट बनाने की मशीनें बनती है। पहले एक माह में 3000 मीटर कपड़ा बनता था, यहां के उद्यमियों ने ऐसी मशीनें बना दी है जिन पर 3000 मीटर कपड़ा एक ही दिन में बनता है।

दशमेश जेकार्ड एंड पावरलूम का कमाल

वर्ष- 1979 से टेक्सटाइल मशीनरी बनाने वाले दशमेश जेकार्ड एवं पावरलूम ने डिफेंस की जरूरतों को पूरा करने के लिए मशीनें बनानी शुरू की है। दशमेश इंडस्ट्री के मालिक रामजीत सिंह बताते हैं कि उनका शुरु से ही नए-नए प्रोडक्ट बनाने में रूचि रही। उन्होंने ही जूट, नारियल की रस्सी से धागा बनाने की मशीन बनाई, जिनसे कारपेट बनते हैं। हाथ से बनने वाले उत्पाद को मशीनरी पर डावर्ट करवाने का काम किया। इसी कारण से पानीपत में उद्यमी विदेशों से प्रतिस्पर्धा में टिक पा रहे हैं। पहले हैंड नोटिड कारपेट बनते थे उनके स्थान पर आटोमैटिक मशीनों पर कारपेट बनाए जा रहे हैं। हमारा एक ही लक्ष्य रहा है ऐसा काम करना चाहिए जो देश के लिए हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को रक्षा के मामले में आत्मनिर्भर बनने का जो बीड़ा उठाया है। उसके तहत हम डिफेंस की जरूरतों के हिसाब से मशीनरी बना रहे हैं। कई मशीनें डिफेंस को दे चुके हैं। टेक्निकल टेक्सटाइल, इंडस्ट्रीयल टेक्सटाइल, स्पेशल प्रपज के लिए बनाए जाने वाले प्राडक्ट के लिए हम मशीनें बना रहे हैं। अब हमारी मशीनें यूरोप तक जाने लगी है। डिफेंस के अधिकारी अपनी जरूरत हमें बता रहे हैं उसके मुताबिक आरएंडडी करके हम मशीन बना रहे हैं।

16 में से 7 कर्मचारी मिले गैर हाजिर, रिपोर्ट सरकार को

जींद। जींद में सीएम फ्लाइंग ने बृहस्पतिवार को श्रम अधिकारी कार्यालय में रेड की। सीएम फ्लाइंग की इस रेड के दौरान श्रम अधिकारी कार्यालय के 16 में से 7 कर्मचारी गैर हाजिर मिले। इसे लेकर संबंधित अधिकारी से सीएम फ्लाइंग ने पूरी रिपोर्ट तलब की है। सरकार को रेड की पूरी जानकारी भेज दी गई है।

जानकारी के अनुसार वीरवार सुबह सीएम फ्लाइंग की एक टीम ने जींद में लघु सचिवालय परिसर स्थित श्रम अधिकारी कार्यालय में कर्मचारियों की हाजिरी जांचने के लिए कार्यालय का औचक निरीक्षण किया।

टीम की अगुवाई डीएसपी रविंद्र कुमार कर रहे थे। उनके साथ इंस्पेक्टर राजदीप सिंह, सब इंस्पेक्टर बिजेंद्र कुमार और ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में नायब तहसीलदार अजय कुमार भी थे।

औचक निरीक्षण के दौरान श्रम अधिकारी कार्यालय के 16 में से 7 कर्मचारी गैर हाजिर मिले। इनमें कुछ कर्मचारियों के हाजिरी के खाने तीन अक्तूबर से खाली पड़े थे। इन कर्मचारियों की किसी तरह के अवकाश के आवेदन भी सीएम फ्लाइंग को जांच के दौरान नहीं मिले।

सीएम फ्लाइंग के डीएसपी रविंद्र कुमार के अनुसार जींद में जिला श्रम अधिकारी का पद रिक्त पड़ा है।

पानीपत के सहायक श्रम अधिकारी को जींद में अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। इस रेड के दौरान इस कार्यालय के 7 कर्मचारियों के गैर हाजिर मिलने को लेकर अधिकारी से रिपोर्ट मांगी गई है। डीएसपी रविंद्र कुमार के अनुसार संबंधित अधिकारी से यह जानकारी भी मांगी गई है कि प्रदेश सरकार की श्रमिकों के कल्याण के लिए

चलाई जा रही योजनाओं को लेकर इस साल जनवरी से अब तक कितने आवेदन जींद के श्रम अधिकारी कार्यालय में आए और इन पर किस तरह की कार्रवाई अमल में लाई गई।

उन्होंने कहा कि श्रम अधिकारी कार्यालय के 7 कर्मचारियों के ड्यूटी से गैर हाजिर मिलने को लेकर सरकार को पूरी रिपोर्ट आगामी कार्रवाई के लिए भेज दी गई है।

स्मार्ट शूज से चलते-चलते चार्ज होगा आपका मोबाइल-लैपटॉप

फरीदाबाद। चीन, जापान में आपने सोशल मीडिया पर बैग, डायरी व अन्य माध्यमों के जरिये मोबाइल चार्जिंग के गैजेट्स तो देखे ही होंगे, लेकिन अब फरीदाबाद के स्कूली छात्राओं द्वारा ईजाद किए गए शूज आ गए है, जोकि चलते-चलते ही आपके मोबाइल और लैपटॉप को चार्ज कर देंगे। यह कारनामा फरीदाबाद के सेक्टर-21 स्थित श्रीराम मॉडल स्कूल की छात्राओं ने कर दिखाया है। उन्होंने ऐसे स्मार्ट शूज बनाए है, जो मोबाइल और लैपटॉप को आसानी से चलते-चलते चार्ज करता है। इस मॉडल को देखकर मानव रचना शिक्षण संस्थान की तरफ से बच्चों को प्रस्तुति देने का ऑफर दिया गया है। श्रीराम मॉडल स्कूल सेक्टर-21ए फरीदाबाद की 11जी साइंस कक्षा की छात्रा अदिति, 12जी साइंस कक्षा की छात्रा वैष्णवी शर्मा व शगुन पंवार ने बताया कि उनके द्वारा प्रोजेक्ट को 26 सितंबर को तैयार करना शुरु किया गया था जिसको टीचर नवीन जोशी की मदद से 28 सितंबर को तैयार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि यह विचार उनको सेना, फील्ड में नौकरी करने वालों या फिर उन स्थानों पर काम करने वालों को देखकर आया जिन्हें बिजली आसानी से उपलब्ध नहीं होती। कई बार हम जब बाहर जाते हैं तो हमें कोई बिजली का पोर्ट नहीं मिलता, कई बार ऐसे स्थानों पर जाना पड़ता है जहां लाईट नहीं होती। इसे देखते हुए इस प्रोजेक्ट को बनाया गया है। इस प्रोजेक्ट को शूज के साथ कनेक्ट किया गया है। इस प्रोजेक्ट को स्मार्ट शूज में पिएजो चिप लगी है, जो चलते समय पड़ने वाले भार यानी प्रेशर को इलेक्ट्रिक एनर्जी में कन्वर्ट करता है। इसमें वोल्टेज का बूस्ट करने के लिए ब्रिज रेक्टिफायर और वोल्टेज बूस्टर का प्रयोग किया है।

इससे वॉकिंग के समय मोबाईल चार्जर बनाया है। इससे लैपटॉप को भी चार्ज किया जा सकता है। इस चार्जर को वैज्ञानिक तकनीकी से बनाया गया है। जब वॉकिंग के समय मनुष्य की बॉडी से निकलने वाले इलेक्ट्रॉन को बैटरी के माध्यम से मोबाइल फोन चार्ज किया जाएगा। इससे हमारे शरीर में किसी भी प्रकार का करंट नहीं लगेगा। स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ अमृता ज्योति ने बच्चों और अध्यापक को बधाई दी।

उन्होंने बताया कि बच्चों के इस मॉडल का पेटेंट भी करवा लिया है। उन्होंने बताया कि इसे इंडिया स्टार बुक ऑफ रिकार्ड्स में भी नाम दर्ज किया गया है। यह स्कूल के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। स्कूल के बच्चों ने मानव रचना कैंपस में शो रेडियो एफएम में इसकी प्रस्तुति दी।

इस दौरान मानव रचना कैंपस में बीटेक, बीई के विद्यार्थियों को हमारे स्कूल के बच्चें एक घंटे की प्रस्तुति दे है, ऐसा प्रस्ताव दिया गया है, जोकि हमारे लिए गर्व की बात है।

पुलिस आयुक्त व जिला उपायुक्त ने दी बधाई

पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य व जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने श्रीराम मॉडल स्कूल के बच्चों के द्वारा शूज से मोबाईल चार्ज करने वाले चार्जर का आविष्कार किए जाने पर छात्रा वैष्णवी शर्मा व शगुन पंवार, अदिति घडिया की हौंसला अफ्जाई करते हुए उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी है।

एनवाईके व जिला परिषद के सहयोग से खंड स्तर पर मेरा माटी-मेरा देश की खंड स्तरीय कलश यात्रा का हुआ आयोजन

कुरुक्षेत्र। नेहरू युवा केंद्र कुरुक्षेत्र युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जिला परिषद कुरुक्षेत्र के सहयोग से खंड स्तर पर मेरा माटी-मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत कलश यात्रा खंड लाडवा, बाबैन व इस्माईलाबाद में निकाली गई।कार्यक्रम में खंड इस्माईलाबाद में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद चेयरमैन कंवलजीत कौर, भाजपा किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष मंदीप सिंह विर्क, जिला पार्षद रमेश पाल, जिला पार्षद अमरीक सिंह व जरनैल सिंह ब्लॉक समिति चेयरमैन ने कलश यात्रा में शिरकत की और यात्राओं का स्वागत करते हुए रवाना किया। जिला परिषद की चेयरमैन कंवलजीत कौर ने युवा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस

कार्यक्रम का शुभारंभ 1 सितंबर 2023 से ग्रह मंत्री अनिल विज व राज्य मंत्री संदीप सिंह द्वारा किया गया था। उक्त कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य माटी को नमन, वीरों को वंदन है। इसके उपरांत सभी युवाओं, अधिकारियों, सरपंचों व पंचों को अमृत काल की शपथ दिलवाई गई। नेहरू युवा केंद्र कुरुक्षेत्र की लेखा एवं कार्यक्रम सुपरवाइजर कांता देवी, बीडीपीओ बाबैन आशुतोष, बीडीपीओ लाडवा रूबल, बीडीपीओ इस्माईलाबाद अंकित पुनिया, नेहरू युवा केंद्र कुरुक्षेत्र की ओर से अमित शर्मा, विजेता सैनी, सुरेश सैनी द्वारा खंड बाबैन, लाडवा व इस्माईलाबाद में खंड स्तरीय कलश यात्रा की अध्यक्षता की गई।

एंडी स्टूडियो रोहतक में 15 अक्टूबर से राज्य स्तरीय सांझी उत्सव का होगा आयोजन

पानीपत। हरियाणा सरकार के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग व हरियाणा लोक कला संघ रोहतक के संयुक्त तत्वावधान में राज्यस्तरीय सांझी उत्सव-2023 का आयोजन एंडी स्टूडियो नजदीक जींद चौक रोहतक में किया जा रहा है। इस आयोजन में हरियाणा के अलग-अलग जिलों से महिला प्रतिभागी भाग लेंगी। सर्वश्रेष्ठ सांझी बनाने वाली कलाकारों को कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग व हरियाणा लोक कला संघ रोहतक की ओर से संयुक्त रूप में सम्मानित किया जाएगा। राज्य स्तरीय सांझी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाली महिला को 51 हजार, द्वितीय स्थान पाने वाली महिला को 31 हजार तथा तृतीय स्थान पर रहने वाली महिला को 21 हजार रुपये की राशि इनाम स्वरूप प्रदान की जाएगी। इसके साथ-साथ 11-11 हजार के दो सांत्वना पुरस्कार भी प्रतियोगिता में शामिल किए गए है। डीसी डॉ वीरेंद्र कुमार दहिया ने बताया कि सांझी हरियाणा की लोक पारंपरिक लोक कला है। सांझी लगने की परम्परा धीरे-धीरे समाप्ति की ओर अग्रसर है। हरियाणा लोक कला संघ रोहतक निरंतर हरियाणा की लोक कलाओं एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए कार्य कर रहे हैं। लोक कला एवं संस्कृति को बचाने की मुहिम में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। हरियाणा की सांझी कला विलुप्त हो रही लोक कला है। इसी को बढ़ावा देने के लिए एंडी स्टूडियो नजदीक जींद चौक रोहतक में राज्य स्तरीय सांझी कला उत्सव का आयोजन किया गया है। इस उत्सव में भाग लेने वाले प्रत्येक महिला प्रतिभागी को सांझी लगाने के लिए संपूर्ण व्यवस्था स्वयं करनी पड़ेगी। सांझी प्रतियोगिता संबंधी संपूर्ण सूचना विभाग की वेबसाइट पर दी गई है। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कला एवं संस्कृति कार्य विभाग एससीओ-29 प्रथम तल सेक्टर-7 सी मध्यमार्ग चंड़ीगढ़ के पते पर भेज सकते है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली महिला सूचना ईमेल आर्टएंडकल्चरलअफेयरसएचआरवाईएटदरेट जीमेल.कॉम व वाट्सएप नंबर 88472-46522, 98120-69014, 78884-87901 पर दे सकती हैं। सांझी उत्सव के इस आयोजन से जहां एक ओर हरियाणा की लोक संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा वहीं पर दूसरी ओर हरियाणा की महिला कलाकारों को प्रोत्साहन राशि के माध्यम से सांझी कला को संरक्षित करने में सहयोग भी मिलेगा। इस प्रतियोगिता के आयोजन के दौरान 22 से 24 अक्टूबर तक सायं 6 बजे सांझी गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर 2023 है।

मडलौडा खंड स्तरीय मेरी माटी मेरा देश अभियान अमृत कलश यात्रा निकाली गयी

पानीपत। हर भारतीय में देशभक्ति का जज्बा पैदा करने के लिए चलाये जा रहे मेरी माटी मेरा देश अभियान के दूसरे चरण में नेहरू युवा केंद द्वारा पानीपत द्वारा जिले के मडलौडा क्षेत्र के में युवा वर्ग एवं महिलायों द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में राजकीय कन्या विद्यालय की युवतियों ने एवं खंड विकास कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया और मेरी माटी मेरा देश, वंदे मातरम व भारत माता के जयघोष लगाए। अब इस अभियान के दूसरे चरण में कलश में मिट्टी एकत्रित की जा रही है। इसे पहले ग्राम स्तर पर और फिर जिला और राज्य स्तर पर एकत्र किया जाएगा। इसके बाद मिट्टी को दिल्ली भेजा जाएगा जहां देशभर की मिट्टी को मिलाकर अमृत वाटिका का निर्माण किया जाना है। अमृत वाटिका का निर्माण हमारे देश की सुरक्षा के लिए अपनी जान गंवाने वाले नायकों को याद करेगा और उन्हें श्रद्धांजलि देगा। नेहरू युवा केंद्र पानीपत की जिला युवा अधिकारी स्नेह लता ने मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के दूसरे चरण को बताते हुए कहा कि पानीपत में अभियान चलाया हुआ है जिसमे आज मडलौडा खंड से खंड स्तरीय जागरूकता रैली निकाली गई एवं अब तक यह रैली समालखा, बापौली एवं सनोली क्षेत्र में निकाली जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के अमरवीर शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने, बच्चो में देश भक्ति की भावना पैदा करने के लिए देश की एकता और एक जुटता के लिए कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है।

जानकारी

कार्डियो एक्सरसाइज के दौरान लें ये 5 चीजें

कार्डियो के एक सेशन के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। कार्डियो वर्कआउट हृदय गति को बढ़ाकर रक्त और ऑक्सीजन के प्रवाह को बेहतर बनाता है। आपको बता दें कि कार्डियो एक्सरसाइज में दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना और बहुत सारे व्यायाम आते हैं। इसके अंतर्गत आने वाले व्यायामों को कम तीव्रता के साथ शुरू करना पड़ता है जिसकी गति धीरे-धीरे बढ़ती है। कार्डियो एक्सरसाइज से वजन तो तेजी से कम होता ही है साथ ही इससे नियंत्रित तनाव, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल भी नियंत्रित होता है। अपने कार्डियो सत्र को पूरा करने के लिए आपको अच्छे ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता होती है। आप पूरी तरह से कार्डियो सत्र के लिए अपनी ऊर्जा को फिर से भरने के लिए काब्र्स पर निर्भर नहीं हो सकते। अन्य कार्डियो फ्रेंडली आहार विकल्प हैं जिनसे आप पर्याप्त ऊर्जा प्राप्त करने के लिए अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

मिलेगी एनर्जी

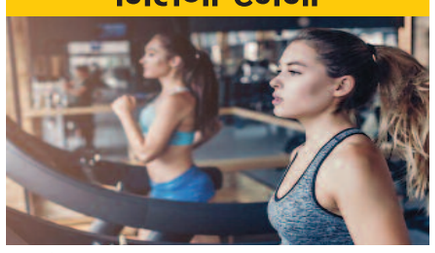

प्रोटीन

प्रोटीन को जिम का सबसे घनिष्ट साथी माना जाता है। प्रोटीन शेक या प्रोटीन युक्त अन्य पदार्थ जिम जाने वालों के लिए वरदान माने जाते हैं। यह आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है। आप अपने वर्कआउट के बीच भी इसका सेवन कर सकते हैं। आप भोजन के लिए कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का संयोजन भी बना सकते हैं। यह एक संपूर्ण भोजन होगा जो आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है।

एनर्जी शेक और स्मूदी

कार्डियो करने वालों के लिए एनर्जी शेक और स्मूदी जबरदस्त स्रोत होते हैं। आप कार्डियो फ्रेंडली स्मूदी तैयार करने के लिए दही के साथ अपनी पसंद के फल को मिला सकते हैं। आप अपने कार्डियो सत्र से पहले या सत्र के बीच में शेक या स्मूदी पी सकते हैं। आपको फल के पोषक तत्व प्रदान करेगा। उन्हें तैयार करने के लिए मौसमी फलों का उपयोग करना सबसे अच्छा तरीका है।

फाइबर युक्त आहार

फाइबर एक स्मार्ट विकल्प है, जब कार्डियो फ्रेंडली खाद्य पदार्थों की बात आती है। फाइबर वजन घटाने के अनुकूल होने के साथ-साथ यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ रखता है और आपको बार-बार भूख नहीं लगती है। यदि आप अपने आहार में अधिक फाइबर शामिल करते हैं तो आप अनावश्यक कैलोरी का उपभोग करने की संभावना कम करते हैं।

नट्स और सीड्स

नट्स और सीड्स का मिश्रण आपको तुरंत ऊर्जा दे सकता है। मुट्ठी भर नट आपके लिए आवश्यक ऊर्जा देने के लिए पर्याप्त हैं। नट्स और सीड्स आपको अधिक समय तक भरे रखते हैं और आपको बेकार की चीजों को खाने से रोकते हैं। नट्स और सीड्स में से कुछ जिन्हें आप अपने आहार में शामिल कर सकते हैं, उनमें हैं- बादाम, फ्लैक्स सीड्स, भांग के बीज, चिया सीड्स और अखरोट।

साबुत अनाज

साबुत अनाज अपने आप में ही कई पोषक तत्वों का स्त्रोत होता है। साबुत अनाज का सेवन आपको वजन कम करने में मदद करने के लिए आपको पर्याप्त फाइबर प्रदान करेगा। साबुत अनाज में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है जो कार्डियो फूड के अनुकूल बनाती है। आप विभिन्न तरीकों से अपने आहार में साबुत अनाज शामिल कर सकते हैं। साबुत अनाज आपको कार्डियो के लिए अधिक ताकत प्रदान करेगा और आपकी मांसपेशियों के लिए ईंधन का काम करेगा।

गर्भावस्था के बारे में ये बातें कोई नहीं बताता आपको

जो गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है।

गर्भावस्था में इन बातों को नहीं जानती आप

गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। इम्पीरियल कॉलेज ऑफ लंदन के प्रोफेसर विवेते ग्लोवर फ्रॉम के अनुसार गर्भधारण करने के बाद महिला का शरीर कई बदलावों से गुजरता है। महिला के शरीर में बदलाव हार्मोन में परिवर्तन के कारण होते हैं। लेकिन ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है। आइए ऐसी ही कुछ बातों की जानकारी हम आपको देते हैं।

श्रोणि में दर्द

गर्भावस्था के दौरान एक महिला का शरीर जन्म देने के लिए तैयार होने के कारण कई सामान्य परिवर्तनों से गुजरना पड़ता है। इस दौरान रिलैक्सिन नामक हार्मोन के स्राव, स्नायुबंध, मसल्स और नसों को अधिक से अधिक लचीलापन देता है। इसके अलावा, रिलैक्सिन बच्चे के सिर को नीचा लाने के लिए एक महिला के श्रोणि पर्याप्त लचीला बनाता है। इस अतिरिक्त लचीलेपन के साथ मसल्स को खींचाव आसान होता है। कभी-कभी गर्भावस्था के अंतिम दिनों में, जोड़ महिला के श्रोणि के दो हिस्सों को एक साथ कसकर रखते हैं, बिल्कुल अलग होकर एसपीडी का कारण बनता है। इससे महिला के खड़े होने, घूमने और बैठे रहने पर श्रोणि और पीठ में दर्द होने लगता है।

भावनात्मक बदलाव

प्रोफेसर ग्लोवर के अनुसार गर्भवती में अन्य महिलाओं की तुलना में चिंता और अवसाद के लक्षण अधिक देखने को मिलते हैं। इस दौरान किसी भी महिला में असामान्य भावनात्मक परिवर्तन होना सामान्य ही माना जाता है। हॉर्मोन्स में हो रहे बदलावों के चलते महिलाओं के स्वभाव में तो परिवर्तन आता ही है और वे अधिक गुस्सा करने लगती हैं। उनका स्वभाव चिड़चिड़ा और अजीब सा हो जाता है। इसके अलावा हार्मोनल बदलाव, विशेष रूप से गर्भावस्था के पहले तीन महीनों में होने वाले बदलाव महिला के मन को प्रभावित कर उसे बीमार, थक हुआ और रुआंसा महसूस कराते हैं। लेकिन यह बदलाव बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है।

मसूड़ों से खून बहना

कई बार गर्भवती महिलाओं को मसूड़े से खून आने की दिक्कत अधिक होती है। इसे प्रेग्नेंसी जिन्जवाइटिस भी कहते हैं। इसमें हार्मोनल बदलाव की वजह से मसूड़ों तक सही तरीके से ब्लड नहीं पहुंच पाने के कारण मसूड़े कमजोर होने लगते हैं और उनसे खून निकलता है। इसलिए महिलाओं को ब्रश करते समय या फ्लॉस करते समय आपके दांतों में से खून आता है तो आपको डेंटिस्ट के पास तुरन्त जाना चाहिए। साथ ही अपने दांतों की अच्छी तरह से देखभाल के लिए नियमित रूप से चेकअप के लिए अपने दंत चिकित्सक के पास जाये।

कब्ज

अधिकांश महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान कब्ज की शिकायत रहती है। हार्मोन्स में आए बदलाव के कारण शरीर की पाचन प्रक्रिया धीमी होने पर आंतों की शिथिल मांसपेशियां कब्ज पैदा करने लगती हैं। गर्भावस्था के आखिरी दो तिमाही में आंतों पर गर्भाशय का दबाव कब्ज पैदा कर देता है। इससे निजात पाने गर्भवती को अपने नियमित आहार में फाइबर (रेशेदार) युक्त खाद्य पदार्थ जैसे फल एवं सब्जियों व दालों का ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सेवन करना चाहिए। खूब पानी पिएं। कैफीन युक्त पेय पदार्थों के सेवन करने से बचें, क्योंकि कैफीन से आपका शरीर नियमित रूप से मल त्यागने के लिए आवश्यक द्रवों को नष्ट कर देता है। इसके अलावा हल्के व्यायाम को शामिल करें।

बवासीर

लगभग 50 प्रतिशत गर्भवती में बवासीर की समस्या देखने को मिलती है- जिसमें मलाशय में सूजन और उभड़ी हुई नसों की समस्या, आमतौर पर प्रसव के बाद बेहतर हो जाती है। गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के विस्तार से मलाशय नसों पर अधिक दबाव पड़ने से बवासीर की समस्या होने लगती है। इस समस्या के चलते खुजली और खून बहने के साथ लंबे समय तक बैठने पर असहज महसूस होता है।

बालों के टेक्सचर में बदलाव

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के बालों की ग्रोथ के साथ-साथ उनके टेक्सचर में भी काफी बदलाव दिखता हैं। यह सब गर्भावस्था के दौरान महिलाओं मे आए हॉर्मोनल बदलाव के कारण होता है, इसको एस्ट्रोजन नामक हॉर्मोन प्रभावित करता है। जिसके बढ़ने से बाल अधिक घने और चमकदार होने लगते हैं। बच्चे को जन्म देने के बाद ये साइकल सामान्य हो जाते हैं। लेकिन डिलीवरी के बाद कई महिलाओं को हेयर फॉल की शिकायत रहती है। क्योंकि ऐसे मे पहले ही बढ़े हुए बालों का बढ़ना रुक जाता है और वह सब एक साथ गिरने लगते हैं।

सुनाई कम देना

गर्भावस्था हार्मोन कभी-कभी अस्थायी सुनवाई हानि या टिनिटस (कान में घंटी जैसा बजना) का कारण भी बनता है। कुछ गर्भवती महिलाओं, विशेष रूप से एलर्जी से ग्रस्त महिलाओं में साइनस की समस्या अधिक देखने को मिलती है। भीतरी कान में तरल पदार्थ के साथ नम और संचार प्रणाली के साथ जुड़े होने के कारण, गर्भावस्था में रक्त की मात्रा के बढ़ने पर महिलाओं के कंबुकर्णी नली को प्रभावित कर, कान के अवरूद्ध होने की भावना पैदा करता है। चाहे आप गर्भवती है या नहीं, लेकिन ठंड जैसे वायरस के पकड़ने पर समस्या दूर होने तक अस्थायी रूप से आपको कम सुनाई देता है।

सुझाव

स्वस्थ फेफड़ों के लिए लें खास आहार

हमारा खान-पान कैसा हो जो फेफड़ों के लिए फायदेमंद रहे। अगर फेफड़ों में कोई परेशानी हो, तो अपने खाने में क्या शामिल करें प्रदूषण, धूम्रपान आदि के दुष्प्रभावों के कारण छाती व फेफड़ों से संबंधित परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। हम आहार पर थोड़ा-सा गौर करके अपने फेफड़ों को ज्यादा सेहतमंद बना सकते हैं।

क्या खाएं

विटामिन सी युक्त भोजन और फल लें। इनमें खट्टे फल, नीबू, संतरा, मौसमी आदि प्रमुख है। संतुलित आहार लें, जो दाल और अन्न से परिपूर्ण होना चाहिए। यदि फेफड़ों से संबंधी कोई परेशानी है या फेफड़ों में किसी तरह के संक्रमण की शिकायत है तो प्रोटीन से भरपूर डाइट लें, ताकि शरीर में हुई क्षति को जल्दी ठीक किया जा सके। प्रोटीन के लिए सोयाबीन, सभी तरह की दालें, पनीर, अंडा आदि खा सकते हैं। दिन में कम-से-कम डेढ़ से दो लीटर पानी अवश्य पिएं। इससे बलगम को बाहर निकलने में सहायता मिलती है। फलों से मिलने वाले विटामिन्स और मिनरल्स फेफड़ों को दुरुस्त रखने में सहायक होते हैं। मौसमी फल खाना अधिक हितकर होता है। खाने-पीने का समय निर्धारित करें और नियमित अंतराल पर खाएं।

मौसम के अनुरूप यह रखें ध्यान

आजकल के उमस भरे मौसम में फेफड़ों को स्वस्थ रखने या उनसे संबंधित परेशानी से राहत के लिए पानी खूब पिएं। फेफड़ों से संबंधित किसी तरह की परेशानी है तो बहुत खट्टा या ठंडा न खाएं। इससे फेफड़ों में सूजन की आशंका रहती है। शरीर को एकदम सर्दी से गर्मी या गर्मी से सर्दी में ले जाने से बचें।

क्या नहीं खाएं

बासी भोजन न करें। इससे फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है और पाचन तंत्र भी बिगड़ता है। यदि फेफड़ों का किसी तरह का रोग है, तो तेज मसाले और तला-भुना खाने से भी बचें, क्योंकि इससे एसिडिटी की शिकायत हो सकती है, जो फेफड़ों के लिए बहुत हानिकारक होती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 2968

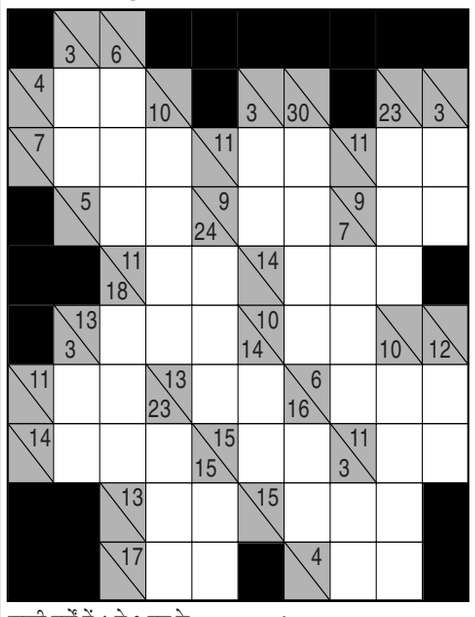

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

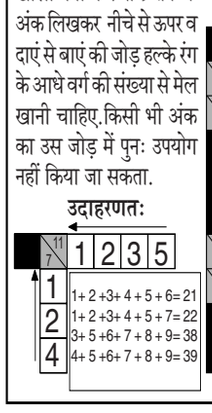

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2967 का हल

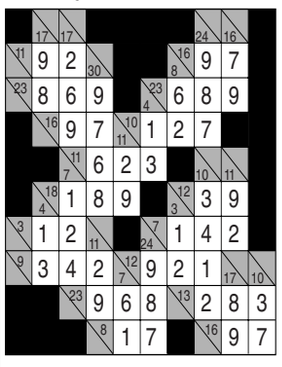

लॉफिंग ज़ोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली - 2968

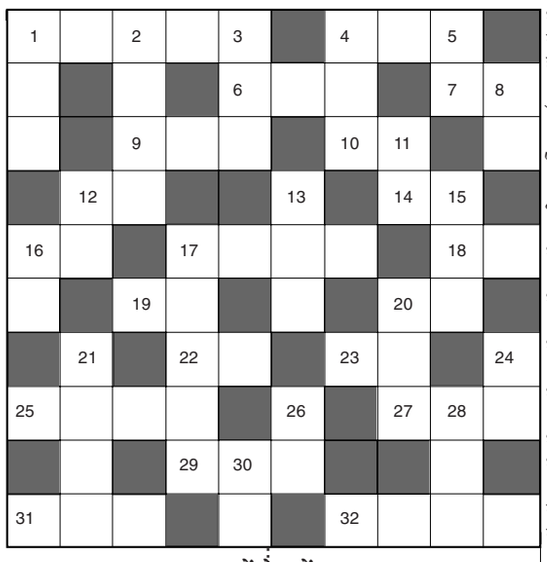

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नताल्या सिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2967

ए	क	रि	श्ता	■	जा	न	की	बा	जी
क	■	श्ते	■	आ	न	■	र्ति	■	व
बे	टा	■	ल	■	व	ध	■	कौ	न
चा	■	अ	व	ता	र	■	माँ	■	यु
ग	जा	जी	■	ल	■	ग	■	यु	द्ध
■	नू	त	न	■	स	नी	■	गां	■
क	■	■	म	ह	ल	■	अ	ध	र्म
वि	ना	श	क	■	मा	या	■	र	■
ता	■	र्मि	■	शा	■	ग	ज	■	धुं
■	मे	ला	■	दी	वा	ना	■	क्रो	ध

सूडोकु -2968

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2967 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 2968

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, फ्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली -2967 का हल

आ	द	त	न	■	ल	■	वा	य	लि	न
■	ल	■	रा	■	प	व	न	■	ख	फा
ए	■	■	ध	व	ल	■	र	■	■	स
ह	र	द	म	■	पा	ल	■	फ	क	त
सा	■	म	■	दा	ना	■	सा	■	मा	■
न	वी	न	त	म	■	अ	ज	वा	ई	न
■	र	■	वा	■	स	दा	■	रि	■	वी
प	ता	का	■	ह	क	■	अ	स	मा	न
र	■	■	जी	■	प	र	दा	■	■	ता
वा	त	■	न	ल	का	■	व	■	द	■
ज	रु	र	त	■	ना	■	त	ल	वा	र

मुझे संगीत हमेशा से पसंद रहा है: वाणी कपूर

संगीत के प्रति अपने प्रेम के बारे में बताते हुए अभिनेत्री वाणी कपूर ने कहा, मुझे संगीत हमेशा से पसंद रहा है। हाल ही में न्यूयॉर्क की यात्रा के दौरान मुझे लगातार कुछ लोकप्रिय संगीत कार्यक्रम देखने का मौका मिला। बता दें कि हाल ही में वाणी कपूर ब्रॉडवे के ओपेरा संगीत को देखने के लिए न्यूयॉर्क शहर गई थी। अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान, वॉर अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि उन्हें हमेशा से संगीत पसंद रहा है और वह उसे बहुत प्रेरणादायक मानती हैं। उन्होंने आगे कहा, एक लाइव नाटक या संगीत इतना आकर्षक होता है कि प्रत्येक क्षण को मंच पर इतनी अच्छी तरह से निखारा जाता है कि इसे कभी दोहराया नहीं जा सकता। मैंने हमेशा हल्का, खुश महसूस किया है और मैं इससे रचनात्मक रूप से प्रेरित हुई हूं।

अपने बयान में उन्होंने कहा, ब्रॉडवे थिएटर में लाइव दर्शकों के साथ रहने की ऊर्जा खास है। ब्रॉडवे शो में वापस जाना जादू के लिए वापस जाने जैसा है, जो हर पल को वास्तव में अद्भुत और अद्वितीय बनाता है। ब्रॉडवे पर उन्होंने जो संगीत कार्यक्रम देखे उनमें एक भव्य प्रस्तुति में लोकप्रिय एनिमेटेड फीचर अलादीन का थिएटर प्रदर्शन शामिल था। यह दृश्यात्मक रूप से आश्चर्यजनक निर्माण मनोरंजक ढंग से माइम से प्रेरित है, जहां पात्र दर्शकों से सीधे बात करते हैं।

उन?होंने उसके एक दिन बाद संगीतमय सिक्स देखी, जिसे सिक्स ः ए पॉप कॉन्सर्ट के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यह संगीत पॉप कॉन्सर्ट शैली में प्रस्तुत किया गया था। उनका अंतिम संगीतमय प्रोग्राम टोनी पुरस्कार विजेता प्रोडक्शन एमजे के साथ पूरा हुआ। यह शो मशहूर डांस आइकन और किंग ऑफ पॉप माइकल जैक्सन के शानदार जीवनकाल के मार्मिक क्षणों और क्लासिक गानों से भरपूर है। वाणी कपूर दो अलग-अलग परियोजनाओं में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी।

पेरिस फैशन वीक से ऐश की कई तस्वीरें आई सामने

एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन इन दिनों पेरिस फैशन वीक 2023 में हिस्सा लेने के लिए पेरिस में हैं। फैशन वीक से ऐश की कई तस्वीरें सामने आईं हैं जो इस समय इंटरनेट पर तहलका मचा रही हैं। यह वॉक एफिल टॉवर के पास रनवे के पास हुई। लुक की बात करें तो ऐश्वर्या गोल्डन कलर के गाउन में ग्लैमरस लग रही हैं। गया था। इसके साथ उन्होंने केप पेयर की थी जो उनके लुक को और भी ग्लैमरस बना था। एक्ट्रेस ने ग्लैम मेकअप और ओपन हेयर्स से लुक को पूरा किया था। रैंप के दौरान कैमरे के सामने पोज देते हुए वह फ्लाइंग किस और विंक करती हुई भी नजर आईं जो उनके फैंस के लिए काफी सरप्राइजिंग था। इससे पहले ऐश फ्रांसीसी कॉस्मेटिक कंपनी लोरियल की इंडियन ब्रांड एंबेसडर होने के नाते प्रेस मीट में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की थी। इवेंट के पहले दिन के लिए ऐश्वर्या ने ऑल-ब्लैक लुक चुना था। उन्होंने अपनी ट्यूल ड्रेस के साथ एम्बेलिश्ड कोट पेयर किया था। विंग्ड आईलाइनर, ग्लॉसी लिप्स, ब्लश्ड चीक्स, हाईलाइटेड चीकबोन्स, खुले बालों और बूट्स के साथ अपने लुक को पूरा करते हुए एक्ट्रेस ने बॉस-लेडी वाइब्स बिखेरी थीं। ऐश की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि ऐश्वर्या इंडस्ट्री की खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेसेस में से एक हैं। बच्चन खानदान की बहू की खबसूरती के चर्चे आज भी वैसे ही हैं जैसे 90 के दशक में हुआ करते थे।

'इक कुड़ी पंजाब दी' में हीर के किरदार को लेकर उत्साहित हैं तनीषा मेहता

'लग जा गले' और 'शुभ लाभ आपके घर में' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री तनीषा मेहता आगामी शो 'इक कुड़ी पंजाब दी' में मुख्य भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने इसे प्यार और संघर्ष की एक मनोरंजक कहानी बताया। 'इक कुड़ी पंजाब दी' एक हाई-ऑक्टेन ड्रामा है, जो अपनी शक्तिशाली कहानी और अच्छी तरह से लिखे गए पात्रों के साथ दर्शकों को लुभाने का वादा करता है। डोम एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, यह शो एक दिलचस्प कहानी पेश करने के लिए तैयार है, जो अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव से भरा होगा। पंजाब के कपूरथला रियासत पर आधारित यह शो एक जाट जमींदार परिवार में पैदा हुई एक खूबसूरत युवा महिला हीर ग्रेवाल की यात्रा का अनुसरण करता है। उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता उनके परिवार की भलाई है।

हालांकि, उसके जीवन में एक अप्रत्याशित मोड़ आता है, जब उसकी शादी अटवाल परिवार में हो जाती है। जीवन बदल देने वाली एक घटना के बाद, हीर को अपनी आंतरिक शक्ति का इस्तेमाल करने, अन्याय का सामना करने और सच्चाई का दावा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इस उतार-चढ़ाव भरी यात्रा के दौरान, उसे अपने बचपन के दोस्त रांझा का अटूट समर्थन मिलता है। रांझा का किरदार अविनेश रेखी निभाएंगे और हीर का किरदार तनीषा मेहता निभाएंगी। शो के बारे में बात करते हुए तनीषा ने कहा, मैं 'इक कुड़ी पंजाब दी' का हिस्सा बनने और हीर के किरदार को जीवंत करने के लिए उत्साहित हूं। यह प्यार, संघर्ष और दोस्ती के अटूट बंधन की एक मनोरंजक कहानी है।' अपने किरदार के बारे में बात करते हुए खूबसूरत अभिनेत्री ने बताया, 'मेरे लिए, हीर निश्चित रूप से एक प्रेरणा है। मुझे यकीन है कि जब दर्शक उसे देखेंगे, तो उन्हें भी ऐसा ही महसूस होगा। मैंने हाल ही में अविनेश और बाकी लोगों के साथ अमृतसर में प्रोमो के लिए शूटिंग की। हमने कुछ कार्यशालाएं भी की, जिससे मुझे चरित्र को गहराई से समझने में मदद मिली।' उन्होंने कहा कि वह वास्तव में इस शो पर दर्शकों की प्रतिक्रियाओं का इंतजार कर रही हैं। 'इक कुड़ी पंजाब दी' का प्रीमियर जल्द ही जी टीवी पर होगा।

रोहन श्रेष्ठ से ब्रेकअप के बाद श्रद्धा कपूर को मिला नया प्यार

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर का नाम पहले भी कई स्टार्स के साथ जुड़ चुका है। आशिकी 2 फिल्म के साथ श्रद्धा कपूर ने बॉलीवुड में खूब लोकप्रियता कमाई। लोगों ने उनको खूब पसंद किया। आशिकी के दिनों में ऐसी अफवाह थी कि वह आदित्य रॉय कपूर को डेट कर रही हैं। बाद में उनका नाम सेलिब्रिटी फोटोग्राफर रोहन श्रेष्ठ के साथ भी जुड़ा। इसके बाद उनका नाम फरहान अख्तर के साथ भी जोड़ा गया था। अब ताजा रिपोर्ट के अनुसार श्रद्धा फिलहाल रिलेशनशिप में हैं। सूत्रों के मुताबिक श्रद्धा अब तू झूठी मैं मक्कार के को-राइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। हालांकि इस बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं है, लेकिन चर्चा काफी तेज है।

श्रद्धा कपूर तू झूठी मैं मक्कार के राइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं

अपनी फिल्मों के अलावा, श्रद्धा कपूर की लव लाइफ अक्सर गॉसिप कॉलम में जगह बनाती रहती है। सेलिब्रिटी फोटोग्राफर रोहन श्रेष्ठ से अलग होने के बाद चर्चा है कि अभिनेत्री को एक बार फिर प्यार मिल गया है। हाँ फिल्मफेयर के पोर्टल पर छपी रिपोर्ट के मुताबिक शक्ति कपूर की बेटी श्रद्धा 'तू झूठी मैं मक्कार' के को-राइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। हालाँकि, अभी तक कोई पुष्टि नहीं हुई है, क्योंकि न तो श्रद्धा और न ही राहुल ने अपने अफवाह भरे रिश्ते को स्वीकार किया है या इनकार किया है।

विशेष रूप से, डेटिंग की अफवाहें तब उड़ीं जब दोनों को शहर में मूवी डेट के लिए एक साथ देखा गया। कुछ महीने पहले दोनों को एक थिएटर से बाहर निकलते हुए देखा गया था। जहां अभिनेत्री सलवार कमीज पहने हुए अपने सिंपल लुक में नजर आईं, वहीं राहुल ने मैचिंग पैंट के साथ ऑलिव ग्रीन शर्ट पहनकर एक सौम्य लुक दिया।

वर्कफ्रंट की बात करें तो राहुल ने 'तू झूठी मैं मक्कार' के अलावा लव रंजन की पिछली फिल्मों में भी काम किया है, जिनमें 'प्यार का पंचनामा 2' और 'सोनू के टीटू की स्वीटी' शामिल हैं। दूसरी ओर, श्रद्धा अगली बार राजकुमार राव के साथ 'स्त्री 2' में अभिनय करेंगी। अमर कौशिक द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी और पंकज त्रिपाठी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। हॉरर कॉमेडी अगस्त 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

'गणपत' का पहला गाना 'हम आए हैं' हुआ रिलीज, टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की दिखी सिजलिंग केमिस्ट्री

बॉलीवुड के एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'गणपत' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला। वहीं अब 'गणपत' का पहला गाना 'हम आए हैं' रिलीज हो गया है। इस गाने में टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन का सेंसेशनल डांस देखने को मिल रहा है। यह गाना पार्टी सॉन्ग है, इस गाने में टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की सिज़लिंग केमिस्ट्री और शानदार डांस मूव्स, अट्रेक्टिव चेन हुक-स्टेप ने लोगों का दिल जीत लिया है। गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर इस गाने पर रिल्स भी बननी शुरू हो गई। इस गाने को सिद्धार्थ बासुर और प्रकृति कक्कड़ ने गाया है। गाने के लिरिक्स प्रिया सरैया ने लिखे हैं। वहीं म्यूजिक व्हाइट नोइज स्टूडियो ने दिया है। गुड कंपनी के सहयोग से पूजा एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत और विकास बहल द्वारा निर्देशित 'गणपत' का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और विकास बहल ने किया है। यह फिल्म 20 अक्टूबर को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी।

भूमि पेडनेकर की बोल्डनेस ने उड़ाए होश, इतनी रिवीलिंग ब्रालेट पहने दिए किलर पोज

भूमि पेडनेकर अपने किलर हॉट लुक के कारण इन दिनों काफी चर्चा में बनी हुई हैं. एक्ट्रेस ने अपनी फिल्मों में हमेशा ही दमदारी अदाकारी से दर्शकों का खूब दिल जीता है. ऐसे में उनकी हर फिल्म के लिए चाहने वाले बेताब रहने लगे हैं. वहीं, एक्ट्रेस की किलर अदाएं भी हर दिन इंटरनेट का पारा हाई कर रही हैं. अब फिर से भूमि ने अपनी अदाओं से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं.लेटेस्ट फोटोशूट में भूमि ने चेन पर टिकी ब्रालेट के साथ जालीदार पैंट को पेयरअप किया है. एक्ट्रेस ने बहुत बेबाकी से अपने इस लुक को कैमरे के सामने फ्लॉन्ट किया है.एक्ट्रेस ने इस लुक को सटल बेस, ग्लॉसी लिप्स और ग्लिटरी स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है. वहीं, उन्होंने बालों को ओपन रखा है और कानों में गोल्ड ईयररिंग्स पहने हैं.भूमि इस लुक में बेहद हॉट और बेबाक दिख रही हैं. फैंस की नजरें उनके किलर लुक पर टिक गई हैं. चाहने वाले उनकी तारीफों के पुल बांधते थक नहीं रहे हैं. खासतौर पर भूमि के कर्वी फिगर ने भी सबका ध्यान खींचा है.भूमि की आने वाली फिल्मों पर बात करें तो इस समय एक्ट्रेस थैंक्यू फॉर कमिंग को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. इसके अलावा भूमि भक्षक, द लेडी किलर और मेरी पत्नी के रीमेक पर बन रही फिल्मों को लेकर भी काफी सुर्खियों में हैं. हर फिल्म में भूमि का एक अलग अंदाज देखने को मिलेगा.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011